RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 105 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 09-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल की 'दुकान' हो जाएगी बंद, होगा इंडि गठबंधन का सफाया : अमित शाह

6 मेजर विजय वर्मा: अब तक 2 दर्जन से ज्यादा आतंकवादियों को भेज चुके परलोक!

7 'जूटोपिया 2' में 'जुडी हॉप्स' की आवाज बनेंगी श्रद्धा कपूर

फर्स्ट टेक

संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक : रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, मैं एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा करता हूं जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

एच1बी वीजा दुरुपयोग के मामलों में 175 जांच शुरू करेगा ट्रंप प्रशासन

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में लगभग 175 जांच शुरू की हैं, जिनमें कम वेतन, कार्यस्थलों का अभाव और कर्मचारियों की 'बेंचिंग' जैसी खामियां शामिल हैं। अमेरिकी श्रम विभाग के अनुसार, ये जांच अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। श्रम विभाग ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के अपने मिशन के तहत, हमने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग के मामलों में 175 जांच शुरू की हैं।'' इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और श्रम सचिव लोरी शावेज-डेरेमर के नेतृत्व में, एजेंसी अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता देने के लिए कार्रवाई जारी रखेगी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच शांति वार्ता ''सीमा पार आतंकवाद'' के जटिल मुद्दों से निपटने के लिए किसी समझौते के बिना समाप्त हो गई। शीर्ष अधिकारियों के मुताबिक दोनों पक्षों में गतिरोध बरकरार रहा। तीसरे दौर की वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हुई और दो दिनों तक जारी रही, लेकिन इसमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए काबुल से लिखित प्रतिबद्धता प्राप्त करने में सफलता नहीं मिली। इन उग्रवादियों पर अफगान धरती का उपयोग करके पाकिस्तान के खिलाफ हमला करने का आरोप है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार रात एक निजी टीवी चैनल को बताया कि वार्ता स्थगित कर दी गई है और चौथे दौर की वार्ता का कोई कार्यक्रम नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के बनारस रेलवे स्टेशन पर चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये नई रेलगाड़ियां बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलूरु मार्गों पर चलेंगी।

विकसित काशी से होगा विकसित भारत का मंत्र साकार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी से वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि विकसित काशी से विकसित भारत का मंत्र साकार करने के लिए लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर के तमाम कार्य हो रहे हैं।

मोदी ने शनिवार को कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए वंदे भारत की शुरुआत हुई है। आज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। यह भारतीय रेलवे को ट्रांसफॉर्म करने का अभियान है। वंदे भारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होने कहा जिन भी देशों में प्रगति और विकास हुआ है, उनके आगे बढ़ने के पीछे बहुत बड़ी शक्ति वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की है। मान लीजिए कोई इलाका है, लंबे समय से वहां कोई रेल नहीं जा रही है। रेल की पटरी नहीं है, स्टेशन नहीं है। लेकिन जैसे ही वहां पटरी लग जाएगी, स्टेशन बन जाएगा, उस नगर का अपने आप विकास शुरू हो जाता है। किसी गांव के अंदर रोड ही नहीं है, सालों से लोग कच्चे मिट्टी के रास्तों से आते-जाते हैं। जैसे ही वहां रोड बन जाता है, किसानों का माल आने-जाने लगता है। विकास शुरू हो जाता है। कितने एयरपोर्ट बने, कितने स्टेशन बने। इंफ्रास्ट्रक्चर मतलब बड़े-बड़े ब्रिज, हाइवे ही नहीं होते।

प्रधानमंत्री ने कहा वरना पहले ये सोचते थे कि ये हो सकता है क्या। ये तो विदेशों में होता था। हमारे देश में अब हो रहा है, हमारे देश के लोग बना रहे हैं, ये देश की ताकत है।

काशी के प्रतिभाशाली बच्चों पर गर्व है

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी के बच्चों की काव्य और कला प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि काशी के सांसद के रूप में उन्हें बहुत गर्व है कि बनारस में इतने प्रतिभाशाली बच्चे हैं। मोदी ने कहा कि बच्चों का एक कवि सम्मेलन आयोजित कराया जाए। उसमें से जो आठ-दस अच्छे बच्चे हों उन्हें देशभर में ले जाकर उनसे काव्य पाठ करवाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, अभी मैं वंदे भारत ट्रेन के अंदर कुछ विद्यार्थियों से बात कर रहा था। मैं (रेल मंत्री) अश्वनी वैष्णव जी को बधाई देता हूं। उन्होंने एक अच्छी परंपरा शुरू की है कि जहां वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ होता है, उस स्थान पर बच्चों के बीच में अलग-अलग विषयों पर प्रतियोगिताएं होती हैं। विकास के संबंध में, भारत के संबंध में, विकसित भारत की कल्पना के चित्रों के संबंध में कविताओं को लेकर प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि सतर्क सैनिकों ने कल देर रात नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। घुसपैठियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर कहा , चल रहे अभियान में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है।

ईडी ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक की 21 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सेल की 21 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। यह संपत्ति लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात के मामले से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत कुर्क की गई है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छह नवंबर को एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था और कुर्क की गई संपत्तियां सेल से जुड़ी हैं, जो इन संपत्तियों पर श्री मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएसपीएल) नामक अपनी गोवा से संचालित कंपनी के माध्यम से स्वामित्व रखते हैं।

कुर्क की गई संपत्तियों में गोवा के मोरमुगाओ के चिकालिम गांव में 12,500 वर्ग मीटर खुली जमीन, दक्षिण गोवा के मोरमुगाओ तालुक में स्थित पेड्रो गैले कोट्टा के नाम से जानी जाने वाली 16,850 वर्ग मीटर कृषि संपत्ति और गोवा के वास्को डि गामा में स्थित एक वाणिज्यिक भवन की कई मंजिलें शामिल हैं, जिनका वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 64 करोड़ रुपए है।

जैन शाकाहार की जीवनशैली को मान्यता दे रही दुनिया : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि जैन जीवनशैली में शाकाहार को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का आदर्श माना जाता है और वह दो दशकों से अधिक समय पहले शाकाहारी हो गये थे।

जैन आचार्य हंसरत्न सुरीश्वर के 8वें 180 'उपवास पारणा' समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि जैन धार्मिक गुरुओं द्वारा प्रचारित अहिंसा ही विश्व शांति का मार्ग है।

राधाकृष्णन ने कहा, जैन जीवनशैली में शाकाहार, पशुओं के प्रति करुणा और सतत जीवन जीने की आदत को पूरी दुनिया में पर्यावरणीय जिम्मेदारी का आदर्श माना जाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें मांसाहारी भोजन पसंद था लेकिन 2000 में काशी की यात्रा के बाद उन्होंने इसे छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि गंगा में पवित्र स्नान करने से पहले किसी प्रिय चीज का त्याग करने की परंपरा के अनुसार उन्होंने मांसाहारी भोजन छोड़ दिया। उन्होंने कहा, जब आप मांसाहारी भोजन करते हैं, तो अनुभव अलग होता है। जब आप शाकाहारी भोजन करते हैं, तो आपका मानसिक दृष्टिकोण पूरी तरह बदल जाता है। यही मेरा अनुभव है।

राहुल गांधी के पास सबूत हैं तो चुनाव आयोग में शिकायत करें : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासाराम/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रहे हैं, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करानी चाहिए, न कि झूठ फैलाना चाहिए।

सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के पास अब मुद्दों की कमी हो गई है, इसलिए वे निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस जाति, पंथ और धर्म के नाम पर लोगों में फूट डालती है। यह सकारात्मक राजनीति का संकेत नहीं है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत कभी किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन यदि कोई भारत को उकसाएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। यह अभियान पहलगाम आतंकी हमले के बाद किया गया प्रतिघाती अभियान था, जिसमें अप्रैल में 26 लोग मारे गए थे। सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, बंद नहीं किया गया। अगर आतंकवादी फिर से भारत पर हमला करने की कोशिश करेंगे, तो हम और भी कड़े तरीके से जवाब देंगे। हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा है। भारतीय बलों ने आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

राहुल गांधी द्वारा रक्षा सेवाओं में आरक्षण से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा, रक्षा बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। यहां तक कि 'डायन' भी एक घर छोड़ देती है, लेकिन कांग्रेस ने राजनीति में ऐसी मर्यादा भी नहीं छोड़ी।

चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों के अध्ययन में मदद के लिए

इसरो ने चंद्रयान-2 का उन्नत डेटा एकत्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

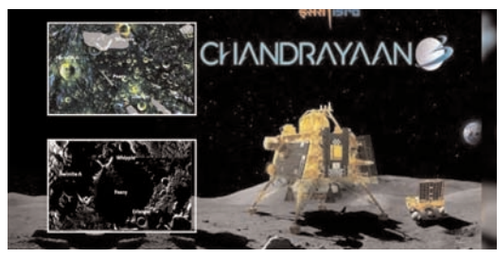

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों की गहरी समझ हासिल करने के लिए चंद्रयान-2 मिशन के 'ऑर्बिटर' से उन्नत डेटा एकत्र किया है, जिसमें इसकी सतह के भौतिक और परावैद्युत गुणों का वर्णन करने वाले पैमाने भी शामिल हैं।

इसरो ने एक बयान में कहा कि यह भविष्य में चंद्रमा के अध्ययन के लिए भेजे जाने वाले अभियानों की दिशा में भारत का प्रमुख मूल्य संवर्धन है। बयान के मुताबिक, चंद्रयान-2 का 'ऑर्बिटर' 2019 से चंद्रमा की कक्षा में है और उच्च गुणवत्ता वाला डेटा प्रदान कर रहा है।

इसमें कहा गया है कि 'ऑर्बिटर' पर मौजूद एक पेलोड 'डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार (डीएफएसएआर)' वह पहला उपकरण है, जिसने एल-बैंड का पूर्ण-ध्रुवमितीय मोड में इस्तेमाल करके और सबसे उच्च रिजोल्यूशन (25 मीटर/पिक्सेल) में चंद्रमा का मानचित्रण किया है।

बयान के अनुसार, यह उन्नत रडार मोड ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज दोनों दिशाओं में सिग्नल भेजता और प्राप्त करता है, जिसके चलते इसे सतह के गुणों का अध्ययन करने के लिए आदर्श समझा जाता है।

इसरो ने कहा कि चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के बाद से, चंद्रमा के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्रों (80 से 90 डिग्री अक्षांश) का मानचित्र बनाने के लिए लगभग 1,400 रडार डेटासेट एकत्र और संसाधित किए जा चुके हैं।

उसने कहा, अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के वैज्ञानिकों ने डेटासेट का इस्तेमाल करते हुए पानी-बर्फ की संभावित मौजूदगी, सतह के खुरदरेपन और 'परावैद्युत स्थिरांक' के संबंध में उन्नत डेटा एल्गॉरिदम तैयार किया है।

09-11-2025 सूर्यास्त 5:51 बजे | 10-11-2025 सूर्योदय 6:16 बजे

BSE	NSE
83,216.28 (-94.73)	25,492.30 (-17.40)

सोना	चांदी
12,620 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	150,595 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महामना मंत्री

है लोकतंत्र में वही श्रेष्ठ,
जो हो सरकारों में मंत्री।
जिसके आगे नतमस्तक सब,
चाहे हो अफसर या संत्री।
है शिखर पुरुष वो महामना,
आदर देते सब गणतंत्री।
जनता ना करती माफ उसे,
हो अगर भ्रष्ट या षड़यंत्री।।

सहज स्मृति योग

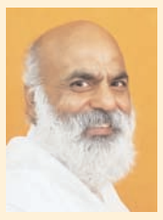

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप कहते हैं कि वर्तमान समय में विश्वभर में मनुष्य और मनुष्य के बीच एक दूसरे पर भरोसा करना छूट और टूट रहा है। यह तो मुझे भी दिख रहा है इसी तरह शायद सबको ही दिख रहा होगा। परंतु इस गिरावट का कारण क्या है यह मुझे तो नहीं दिख रहा है। कृपया वर्तमान समय से उदाहरण दें।

उत्तर: किसी भी मानवीय गुण और मूल्य में गिरावट का कोई एक कारण नहीं होता है बल्कि अनेक कारण होते हैं। परंतु मूल कारण है सबन्धों की प्राथमिकताओं का व्यवहार में न लाना और संबंधों की मर्यादाओं को चरित्र का अंग न समझ पाना। संदर्भानुसार प्रसंगों के उदाहरण इतिहास से इसलिए दिए जाते हैं ताकि वर्तमान में जिन्हें स्वयं में परिवर्तन करना हो उनकी अस्मिता लेबिल्ड न हो और वे अपने चरित्र और व्यवहार में आवश्यक सुधार करने के लिए उत्साहित बने रहें । कहावत 'बद अच्छा बदनाम बुरा' आपने सुनी ही होगी। फिर भी आपका निकटतम वर्तमान से उदाहरण देने का अनुरोध/आग्रह/ हठ जो भी है तो कोशिश करता हूँ। मान लो किसी देश या प्रदेश की सरकार का कोई मंत्री कहे कि उसे उसके पुत्र द्वारा किए वित्तीय घोटाले के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है तो देश की जनता का या तो पिता पुत्र के सम्बन्ध पर से भरोसा उठेगा या फिर मंत्री के ईमानदार होने पर । ऐसे ही किसी देश का मुखिया कहे कि मेरा रिलीजन मुझे मेरी पत्नी से साथ साँझा करना ही पड़ेगा। अर्थात् मेरी पत्नी का मेरा रिलीजन साझा करना मेरे रिलीजियस होने का सहज परिणाम है तो राजीनीतिक व्यक्तियों द्वारा मतान्धता फैलाने से उन पर से भरोसा उठता है। जहाँ भी भरोसा उठता दिखता है वह पारस्परिक व्यवहार चरित्र मर्यादा इन्हीं तीन के असंतुलित होने से उठता (गिरता) दिखता है।

सभी के लिए न्याय सुलभ करना आवश्यक, कानून की भाषा स्थानीय और सरल होनी चाहिए : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानून की भाषा को सरल बनाने की शनिवार को वकालत की ताकि स्थानीय लोग इसे आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुलभ किया जाना चाहिए, चाहे उनकी सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

उच्चतम न्यायालय परिसर में, विधिक सहायता तंत्र को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्याय सुलभ करना सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की एक पूर्व शर्त है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्याय सभी को उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की कानूनी सहायता रक्षा प्रणाली गरीबों और वंचितों को न्याय सुलभ कराने में मदद कर रही है। इस कार्यक्रम में, प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, उनके उत्तराधिकारी न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद थे।

इस मौके पर मोदी ने कहा कि सामाजिक न्याय तभी संभव है जब न्याय की पहुंच प्रत्येक नागरिक तक हो, चाहे उसकी सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि सरकार ने न्याय की सुगमता में सुधार के लिए कई कदम

उठाए हैं और वह इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए काम करना जारी रखेगी। मोदी ने अदालती फैसलों और कानूनी दस्तावेजों को स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का आह्वान किया और इस संबंध में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए उच्चतम न्यायालय की सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में सराहनीय बात है कि उच्चतम न्यायालय ने 80,000 से अधिक निर्णयों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयास उच्च न्यायालय और जिला स्तर पर भी जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''न्याय की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो न्याय पाने वाले व्यक्ति को समझ में आए।''

मोदी ने कहा कि जब लोग कानून को अपनी भाषा में समझते हैं तो इससे बेहतर अनुपालन होता है और मुकदमे कम होते हैं। उन्होंने कहा, ''जब न्याय सभी के लिए सुलभ हो, समय पर हो और सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच हो, तभी यह सामाजिक न्याय की नींव बनता है।'' उन्होंने कहा कि न्याय सभी तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने में कानूनी सहायता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मोदी ने समावेशन और सशक्तीकरण के लिए प्रौद्योगिकी को एक प्रमुख माध्यम बताया और न्याय प्रदान करने में ई-कोर्ट परियोजना को इसका एक शानदार उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा, ''यह दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी किस प्रकार न्यायिक प्रक्रिया को आधुनिक और मानवीय बना सकती है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मध्यस्थता हमेशा से भारतीय सभ्यता का हिस्सा रही है और नया मध्यस्थता अधिनियम इस परंपरा को आधुनिक रूप में आगे बढ़ा रहा है।

भाजपा ने गोवा को कानून-व्यवस्था से रहित राज्य बना दिया है : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गोवा को कानून-व्यवस्था से रहित राज्य बनाने का आरोप लगाया और अपराध में वृद्धि होने का दावा किया।

केजरीवाल ने 'एक्स' हैंडल पर कहा,''हत्याएं, गोलीबारी, दिनदहाड़े लूटपाट। गोवा में क्या हो रहा है? भाजपा के राज में गोवा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पिछले कुछ दिनों में ही पहाड़ काटने का विरोध कर रहे एक गोवावासी की हत्या कर दी गई, अवैध रेत खनन को लेकर नागरिकों पर गोली चलाई गई, एक युवक को पुलिस थाने के अंदर पीटा गया, सालिगाओ में लोगों की हत्याएं की गईं।'' भाजपा पर गोवा को 'काननू व्यवस्था से रहित' राज्य बनाने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अखबारों की कई कतरनों का हवाला दिया। ये आरोप हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ता रमा कंकोणकर पर सात लोगों द्वारा किए गए हमले की पृष्ठभूमि में लगाए गए हैं, ये सभी हमलावर कुख्यात अपराधी थे।

राज्य में गिरोहों के बीच बढ़ते झगड़ों पर भी चिंता जताई गई है, जिसके कारण गोवा सरकार ने अपने दो जिलाधिकारियों को तीन महीने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत एहतियातन हिरासत में लेने की शक्तियों का इस्तेमाल करने के लिए अधिकृत किया है। अधिकारियों ने बताया था कि अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने बृहस्पतिवार को एक आदेश जारी करके तटीय राज्य के दोनों जिलाधिकारियों को मौजूदा परिस्थितियों का हवाला देते हुए तीन महीने के लिए एनएसए लगाने का अधिकार दिया। गोवा विधानसभा में 'आप' के दो विधायक हैं।

मुख्यमंत्री नायडू ने कुप्पम में 2,203 करोड़ रुपए की औद्योगिक परियोजनाओं की नींव रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को यहां कुप्पम में 2,203 करोड़ रुपए के निवेश वाली सात परियोजनाओं की आधारशिला रखी। चित्तूर जिले के कुप्पम का प्रतिनिधित्व करने वाले नायडू ने अपने कैंप कार्यालय से इसकी आधारशिला रखी।

ये परियोजनाएं हिंडाल्को, श्रीजा डेयरी, एएस इंटरनेशनल, एसवीएफ सोया, मदर डेयरी, ई-रॉयस ईवी और एएलईएपी वुमेन्स पार्क सहित कई कंपनियों द्वारा स्थापित की जा रही हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम में सात उद्योगों की आधारशिला रखी, जिसमें 2,203 करोड़ रुपए का निवेश होगा। राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं के लिए 241 एकड़ भूमि आवंटित की है, जिसमें डेयरी, लैपटॉप, मोबाइल उपकरण, खाना पकाने का तेल, खाद्य प्रसंस्करण और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

मुलाकात दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री यहां आडवाणी के आवास पर पहुंचे और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। इससे पहले दिन में मोदी ने उन्हें ''एक महान दृष्टिकोण वाला राजनेता'' बताया। राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा को एक मजबूत ताकत के रूप में उभारने में अहम भूमिका निभाने वाले आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए। उन्हें इस वर्ष भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

खेड़ा की 'कट्टा' संबंधी टिप्पणी कांग्रेस की हताशा को दर्शाती है: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की 'कट्टा' संबंधी टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल की आलोचना की।

भाजपा ने कहा कि ये शब्द कांग्रेस की 'हताशा' को दर्शाते हैं, क्योंकि राजग बिहार में निर्णायक जनादेश के साथ सत्ता में लौटने वाला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि खेड़ा की टिप्पणी से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के पास बिहार और केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकारों पर निशाना साधने के लिए विकास के मुद्दे के बारे कहने को कुछ नहीं है। बिहार में पत्रकारों से बात करते हुए खेड़ा ने कहा कि ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनपटी पर कट्टा रख देना चाहिए ताकि वह खुद को राज्य विधानसभा चुनाव में राजग की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करा सकें।'' खेड़ा की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए त्रिवेदी ने कहा, ''कांग्रेस ने अपनी आदत के अनुसार ही बात कही है, लेकिन उनकी टिप्पणी से स्पष्ट है कि नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। भाजपा-राजग स्पष्ट रूप से निर्णायक जनादेश के साथ (बिहार में) अपनी सरकार बनाने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि खेड़ा ने ये टिप्पणियां इसलिए की हैं क्योंकि कांग्रेस बिहार चुनाव में अपनी आसन्न हार को भांपकर घबरा गई है और हताश हो गई है।

त्रिवेदी ने दावा किया कि बृहस्पतिवार (छह नवंबर) को बिहार में पहले चरण के मतदान के बाद विपक्षी पार्टी के लिए यह स्पष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि खेड़ा की टिप्पणी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस बात को भी साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करवाया। भाजपा नेता ने कहा कि खेड़ा की टिप्पणी से यह भी स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के पास बिहार और केंद्र में सत्तारूढ़ राजग को निशाना बनाने के लिए विकास के मुद्दे पर कहने को कुछ नहीं है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने हमेशा कई ''कुख्यात अपराधियों'' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी के लिए, ''ओसामा (बिन लादेन) अभी भी जीवित है, हाफिज (सईद) साहब और अफजल (गुरु) परिस्थितियों के शिकार थे, याकूब मेनन न्यायिक हत्या का शिकार था और जाकिर नाइक शांति का मसीहा है।'' जिन लोगों ने आरडीएक्स, एके-47 का महिमामंडन किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कुख्यात आतंकवादियों को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दिया है, उन्हें दुख हुआ होगा।

सेबी ने लोगों को डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेश के खिलाफ चेतावनी दी

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने शनिवार को निवेशकों को डिजिटल या ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश को लेकर आगाह किया है।

सेबी ने कहा कि ऐसे उपकरण उसके नियामकीय ढांचे से बाहर हैं और इनमें निवेश से जुड़ा जोखिम अधिक है। यह चेतावनी तब आई है जब सेबी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन मंच भौतिक सोने में निवेश के आसान विकल्प के रूप में 'डिजिटल गोल्ड' या 'ई-गोल्ड' उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

सेबी ने एक बयान में कहा, ''इस बारे में सूचित किया जाता है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों से भिन्न हैं, क्योंकि इन्हें न तो प्रतिभूति के रूप में अधिसूचित किया गया है और न ही कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में विनियमित किया गया है। ये पूरी तरह से सेबी के नियामकीय दायरे से बाहर हैं।''

सेबी ने आगे स्पष्ट किया कि विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू निवेशक संरक्षण तंत्र ऐसी अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होगा।

महाराष्ट्र में है 'दगाबाज सरकार', उन्हें 'वंदे मातरम' बोलने का कोई अधिकार नहीं : ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महाराष्ट्र सरकार को दगाबाज सरकार करार दिया और उस पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ से संबंधित एक फर्म से जुड़े विवादास्पद पुणे भूमि सौदे का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों को राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम' के नारे लगाने का कोई अधिकार नहीं है, जब वे भारत माता को लूट रहे हैं।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख मानसून के दौरान मूसलाधार बारिश से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए मराठवाड़ा क्षेत्र के अपने चार दिवसीय दौरे के अंतिम दिन जालना जिले की परतुर तहसील के पटोदा गांव का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ, फिर भी सरकार के राहत उपाय धीमे और अपर्याप्त रहे। ठाकरे ने कहा, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। सरकार ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद की घोषणा की थी, लेकिन क्रय केंद्र बहुत देर से शुरू हुए। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर पंचनामा (नुकसान का आकलन) प्रक्रिया में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सरकार किसानों को धोखा दे रही है। इसलिए मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे इस 'दगाबाज सरकार' का पंचनामा खुद बनाएं। उन्होंने किसानों से सरकारी अधिकारियों से मिलने और उनसे पूछने का आग्रह किया कि क्या उन्होंने नुकसान का आकलन किया है और रिपोर्ट जमा की है। उन्होंने कृषि ऋण माफी पर निर्णय के लिए सरकार द्वारा दी गई 30 जून, 2026 की तारीख पर भी सवाल उठाया और इसे फर्जी और धोखाधड़ी करार दिया। ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित तथाकथित पैकेज किसानों के साथ धोखा के अलावा कुछ नहीं है।

आवारा पशुओं को लेकर दुविधा: ''मानवीय'' तरीके खोजने के लिए जारी है संघर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में आवारा पशुओं से निपटने के मानवीय तरीकों पर दुविधा कोई नई बात नहीं है और शहर में ब्रिटिश प्रशासकों को भी इसी समस्या से जूझना पड़ा था। तब भी, उन्होंने इस समस्या से निपटने के तरीकों पर बहस की थी, और कुछ अधिकारियों ने तो जानवरों को ''सबसे पीड़ारहित'' तरीके से मारने के तरीके तक सुझाए थे।

तब से आठ दशक के बाद देश की सर्वोच्च अदालत के सामने भी यह मुद्दा है। शुक्रवार को, शीर्ष अदालत ने संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाओं में 'खतरनाक तरीके से वृद्धि' पर ध्यान दिया और आवारा कुत्तों को उचित नसबंदी और टीकाकरण के बाद तुरंत निर्दिष्ट आश्रयों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया।

दिल्ली अभिलेखागार में संरक्षित 1946-47 के अभिलेखों से पता चलता है कि तब भी, अधिकारियों ने आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के 'मानवीय' तरीकों पर चर्चा की थी।

ग्यारह अप्रैल, 1946 को लिखे एक पत्र में, दिल्ली के मुख्य आयुक्त ने उपायुक्त को आवारा कुत्तों को मारने के लिए स्ट्राइकिनिन जहर के इस्तेमाल पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए इसे ''अमानवीय'' बताया था। उन्होंने जहर को ''सबसे आपत्तिजनक'' और ''किसी भी तरह से दर्दरहित मौत नहीं'' कहा था। उन्होंने कहा कि जानवरों को मरने से पहले लगभग 20 मिनट तक दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों से ''कोई दर्दरहित तरीका'' अपनाने का अनुरोध किया और इसमें क्लोरोफॉर्म या बिजली के झटके देने का सुझाव दिया। पत्र के बाद, उपायुक्त ने 29 अप्रैल, 1946 को सिविल पशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया और बिजली के झटके को ''आदर्श तरीका'' बताया क्योंकि इससे तुरंत मौत हो जाती है। पीटीआई के पास मौजूद रिकॉर्ड से यह जानकारी सामने आई है।

दस्तावेजों के अनुसार, उस समय अस्पताल हाइड्रोसायनिक एसिड का इस्तेमाल कर रहा था, जिससे जानवर कुछ ही मिनटों में 'व्यावहारिक रूप से नगण्य पीड़ा' के साथ मर जाते थे। मुख्य आयुक्त ने सूअरों को मारने के बारे में भी इसी तरह की चिंता जताई थी, और कहा कि उनके दिल या गर्दन की नसों में छुरा घोंपा गया था और वे 'दर्द से जोर से चीख रहे थे'। उन्होंने आग्रह किया कि 'कुछ और मानवीय उपाय होने चाहिए'।

रिकॉर्ड के अनुसार, मई 1946 में, दिल्ली के स्वास्थ्य अधिकारियों ने तत्कालीन बंबई और मद्रास में इस्तेमाल की जाने वाली विधियों का अध्ययन करने के लिए वहां का दौरा किया। उन्होंने यह भी बताया कि बिजली का झटका देना सबसे 'प्रभावी और मानवीय' विकल्प था।

पंजाब के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए और ट्रेनें शुरू की जाएंगी: बिट्टू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजपुर/भाषा। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को कहा कि पंजाब के माझा और मालवा क्षेत्रों को जोड़ने के लिए जल्द ही और ट्रेनों की शुरूआत की जाएंगी, जिससे विकास का एक नया युग शुरू होगा।

केंद्रीय मंत्री वंदे भारत एक्सप्रेस के यहां फिरोजपुर छावनी रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद बोल रहे थे। वंदे भारत एक्सप्रेस उन चार ट्रेनों में से एक है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हरी झंडी दिखाई थी।

पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, पूर्व विधायक राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी और राकेश राठौर के अलावा कई वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी फिरोजपुर से दिल्ली तक ट्रेन की पहली यात्रा के लिए उसमें सवार थे।

सभा को संबोधित करते हुए बिट्टू ने कहा कि माझा और मालवा को जोड़ने के लिए जल्द ही और ट्रेनें शुरू की जाएंगी। लंबे समय से लंबित फिरोजपुर-पट्टी रेल संपर्क का अप्रत्यक्ष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर काम जल्द ही शुरू होगा।

इस अवसर पर कांग्रेस सांसद शेर सिंह घुबाया और पूर्व विधायक परमिंदर सिंह पिंकी भी उपस्थित थे।

पीडीपी ने जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जे समाप्त करवाने में भाजपा की मदद की : अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि पीडीपी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार बनाने पर 2015 में शुरू हुआ था।

अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा क्षेत्र के मीरगुंड में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा ने जम्मू कश्मीर को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। हमसे सब कुछ छीन लिया गया। नक्शा नहीं बचा है, हमारी पहचान खतरे में है और विशेष दर्जा खत्म हो गया है। उन्होंने विपक्षी पीडीपी पर भाजपा की योजनाओं में मदद करने का आरोप लगाया। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनएसी) नेता ने कहा, 2014 के चुनावों में दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी भाजपा को (सत्ता से) बाहर रखने के मुद्दे पर घर-घर गए थे। लोगों ने उन्हें बड़ी संख्या में वोट दिया, लेकिन चुनाव के तुरंत बाद उन्होंने (पीडीपी ने) भाजपा से हाथ मिला लिया। बडगाम विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। अब्दुल्ला ने पिछले साल यह सीट खाली कर दी थी क्योंकि 2024 के विधानसभा चुनावों में उन्हें दो विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उन्होंने गंदेरबल सीट बरकरार रखी। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि 2015 में शुरू हुआ था, जब पीडीपी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा, ''सरकार में रहते हुए उन्होंने (पीडीपी ने) हमारी जड़ों पर प्रहार किया....आज में एक केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं, किसी राज्य का नहीं तो यह उनके कारण है...जीएसटी और सरफासी कानून कौन लेकर है, उन्होंने किया। तबाही 2019 से नहीं शुरू हुई थी, वह 2015 से शुरू हुई थी।''

अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी ने अपनी गलतियों के लिए माफी नहीं मांगी है। उन्होंने कहा, उन्होंने अपनी गलतियों के लिए माफी नहीं मांगी है। हम बस उनसे यह सुनना चाहते हैं कि वे अपनी गलती स्वीकार करें। अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी नेशनल कॉन्फ्रेंस ही जम्मू कश्मीर में भाजपा से लड़ने वाली एकमात्र पार्टी है।

तेलंगाना में चींटियों के डर से महिला ने आत्महत्या की

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में 25 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर माइर्मेकोफोबिया (चींटियों का डर) के कारण आत्महत्या कर ली, जो एक बहुत ही दुर्लभ बीमारी है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि महिला का विवाह 2022 में हुआ था और उसकी तीन वर्ष की एक बेटी है। पुलिस ने बताया कि महिला चार नवंबर को अपने घर में पंखे से लटकी हुई पाई गई। पुलिस ने बताया कि महिला उसी दिन अपनी बेटी को एक रिश्तेदार के घर यह कहकर छोड़ा था कि वह घर की सफाई करने के बाद उसे ले जाएगी।

पुलिस ने बताया कि महिला का पति सुबह काम पर गया था और वह जब शाम को घर लौटे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों की मदद से उन्होंने दरवाजा तोड़ा और अपनी पत्नी को पंखे से लटकता पाया।

सिद्दरामय्या का भाजपा पर 'वोट चोरी' का आरोप, कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र एजेंसियों को नष्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को आरोप लगाया कि ''प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने देश में निर्वाचन आयोग सहित सभी स्वतंत्र संस्थाओं को केंद्र सरकार के अधीनस्थ के रूप में काम करने के लिए मजबूर कर नष्ट कर दिया है।''

सिद्दरामय्या ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खुद को ''वोट चोरी में माहिर'' साबित कर दिया है। उन्होंने पार्टी पर ऐसे तरीकों से केंद्र और कई राज्यों में सत्ता हथियाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांग्रेस ने अपने हस्ताक्षर अभियान के तहत कर्नाटक में वोट चोरी' के खिलाफ 1.12 करोड़ से अधिक हस्ताक्षर एकत्र किए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हम भाजपा को झूठ बोलने में माहिर कहते हैं; वे सिर्फ झूठ बोलने में ही माहिर नहीं हैं, बल्कि वे झूठ की पूजा करते हैं। वे सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि वे 'वोट चोरी' में भी विशेषज्ञ हैं। 'वोट चोरी' उनका पेशा बन गया है।''

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, ''भाजपा ने हाल के वर्षों में 'वोट चोरी' के जरिये लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीते हैं तथा वह केंद्र व कई राज्यों में सत्ता में आई है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में (वोट चोरी के) सबूतों के साथ उन्हें (भाजपा को) बेनकाब कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हाल में हुए बिहार चुनाव की बात करें तो जिन लोगों ने पहले दिल्ली चुनावों में मतदान किया था, उन्होंने बिहार में भी वोट डाला। हमारे संविधान के अनुसार, एक व्यक्ति केवल एक ही वोट डाल सकता है। कई जगहों पर दो बार मतदान करना असंवैधानिक है। असंवैधानिक तरीकों से सत्ता हासिल करना लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।''

सिद्दरामय्या ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि वह राहुल की ओर से लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग लोकतांत्रिक प्रणाली में 'गैर-जिम्मेदाराना' तरीके से बर्ताव कर रहा है और संविधान के अनुसार काम नहीं कर रहा है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''इससे स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग केंद्र सरकार के प्रभाव में काम कर रहा है। न केवल अब, बल्कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, उन्होंने (भाजपा ने) सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग और निर्वाचन आयोग जैसी सभी स्वतंत्र एजेंसियों या निकायों को अपने अधीन काम करने के लिए मजबूर करके उन्हें नष्ट कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि ये सभी स्वतंत्र निकाय केंद्र सरकार के अधीनस्थ के रूप में काम कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए ''हानिकारक'' है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और संविधान, लोकतंत्र तथा स्वतंत्र एजेंसियों एवं निकायों की रक्षा के लिए कांग्रेस ने वोट चोरी' के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में अब तक 1.12 करोड़ से अधिक लोगों के हस्ताक्षर हासिल किए जा चुके हैं और यह सिलसिला जारी रहेगा। सिद्दरामय्या ने कहा, एकत्रित हस्ताक्षरों का पहला सेट संभवतः 10 नवंबर तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को भेज दिया जाएगा, जो इसे राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) और मुख्य चुनाव आयुक्त (ज्ञानेश कुमार) के पास भेजेगी। उन्होंने कहा, ''ऐसा लोगों का ध्यान आकर्षित करने, उनमें जागरूकता पैदा करने और इस तरह संवैधानिक निकायों की रक्षा करने के लिए किया जा रहा है।''

सिद्दरामय्या और शिवकुमार से संबंधित 'फर्जी' वीडियो बनाने को लेकर इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता पर मामला दर्ज

बेंगलूरु। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग कर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का फर्जी वीडियो बनाने के आरोप में बेंगलूरु पुलिस ने एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। संबंधित वीडियो में शिवकुमार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को धक्का देते हुए दिखाया गया है।

अधिवक्ता दीपू सी आर द्वारा शुक्रवार को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उन्हें कन्नड़ 'चित्रांगा' नामक एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया गया वीडियो मिला। शिकायत के अनुसार, इस फर्जी वीडियो को सोशल मीडिया मंच पर ब्रेकिंग न्यूज के रूप में प्रसारित किया जा रहा है। इसे कथित तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों का उपयोग करके बनाया गया है। इसमें शिवकुमार को सिद्दरामय्या को धक्का देते हुए दिखाया गया है। शिकायतकर्ता ने रेखांकित किया कि एआई द्वारा बनाए गए इस फर्जी वीडियो को शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को धक्का दिया और वह 'गिर गए', यह वाक्या बैठक के दौरान हुआ'', और गुस्साए डीकेएस ने मुख्यमंत्री को ''धक्का दिया'' जैसे बयानों के साथ साझा किया गया। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि यह वीडियो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने तथा जनता के बीच उनके बारे में नकारात्मक धारणा'' बनाने के इरादे से बनाया एवं साझा किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि इस तरह की सामग्री समाज में अशांति पैदा कर सकती है और राज्य सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर, सदाशिवनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 , 336(4), और 353 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने कहा कि मामले में जांच जारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एर्नाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि।/बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से एक ऑनलाइन कार्यक्रम में एर्नाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। एर्नाकुलम जंक्शन-केएसआर (क्रांतिवीर सांगोली रायन्ना) बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस (06652) ढोल-नगाड़ों की ध्वनि के साथ सुबह आठ बजकर 41 मिनट पर स्टेशन से रवाना हुई, हालांकि ट्रेन खुलने का निर्धारित समय सुबह आठ बजे था।

केरल से आने वाली नयी वंदे भारत ट्रेन को अंदर और बाहर फूलों से सजाया गया था। ट्रेन में केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी, चित्रकला प्रतियोगिता के आधार पर चुने गए विभिन्न स्कूलों के बच्चे और विभिन्न विभागों के अधिकारी सवार थे। ट्रेन में गोपी ने पत्रकारों से कहा, ''यह रेल पर एक क्रांति है। आरओआर। इसकी गर्जना होनी चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केरल में और ट्रेनें आ सकती हैं और एकमात्र बाधा पटरियों का दोहरीकरण और मौजूदा पटरियों पर तीखे मोड़ों को सीधा करना है।

उन्होंने कहा, ''अगर ज्यादा पटरियां होंगी, तो अधिक ट्रेन चलेंगी। अगर खतरनाक और तीखे मोड़ को सीधा कर दिया जाए तो तेज गति वाली ट्रेनें आ सकेंगी। अन्य ट्रेन की भी गति बढ़ जाएगी और छोटी ट्रेन के ज्यादा ठहराव बिंदु होंगे। इससे हर स्टेशन पर नेटवर्क कनेक्शन होगा और हम हर स्टेशन पर आवाजाही सुनिश्चित कर पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि रेलवे किसी भी चीज के लिए तैयार है, लेकिन राज्य सरकार को जमीन मुहैया करानी होगी और तीखे मोड़ को सीधा करना होगा। गोपी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को संसद में केरल के सांसदों से कई बार यह कहते सुना है कि वे राज्य सरकार से रेलवे को और जमीन देने और तीखे मोड़ को ''हटाने'' का अनुरोध करें।

आठ डिब्बों वाली यह ट्रेन कृष्णराजपुरम और केएसआर बेंगलूरु पहुंचने से पहले त्रिशूर, पलक्कड़, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, इरोड और सलेम सहित केरल और तमिलनाडु के प्रमुख शहरों से होकर गुजरती है। दक्षिण रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि यह केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक को जोड़ने वाली पहली 'अंतरराज्यीय सेमी-हाई-स्पीड प्रीमियम ट्रेन' सेवा है। अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन सेवा तीन राज्यों को जोड़ती है जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। दक्षिण रेलवे की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, केएसआर बेंगलूरु-एर्नाकुलम वंदे भारत एक्सप्रेस केरल की वाणिज्यिक राजधानी एर्नाकुलम और महानगरीय शहर बेंगलूरु के बीच निर्बाध संपर्क प्रदान करेगी।

एर्नाकुलम और बेंगलूरु के बीच चलने वाली एक इंटरसिटी ट्रेन सेवा 583 किलोमीटर की दूरी तय करने में 11 घंटे से अधिक का समय लेती है। अधिकारियों ने कहा कि नयी वंदे भारत ट्रेन इस यात्रा को आठ घंटे और 40 मिनट में पूरा करेगी। ट्रेन की नियमित सेवा नौ नवंबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेन बेंगलूरु से सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर रवाना होगी और अपराह्न एक बजकर 50 मिनट पर एर्नाकुलम पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा पर ट्रेन अपराह्न दो बजकर 20 मिनट पर एर्नाकुलम से रवाना होगी और रात 11 बजे बेंगलूरु पहुंचेगी। यह बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। इसके लाभों पर प्रकाश डालते हुए दक्षिण रेलवे ने कहा कि यह एर्नाकुलम और बेंगलूरु के बीच सबसे तेज संपर्क प्रदान करेगी।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन नौ नवंबर को कर्नाटक का दौरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन नौ नवंबर को कर्नाटक की यात्रा पर आएंगे। उपराष्ट्रपति बनने के बाद राज्य की उनकी यह पहली यात्रा होगी। राधाकृष्णन ने 12 सितंबर को भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला। यात्रा योजना के अनुसार, वह इस दौरान हासन, मैसूर और मंड्या जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगे।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति परमपूज्य आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज जी की स्मृति में आयोजित समारोह में भाग लेंगे और श्रवणबेलगोला, हासन में जैन मुनि और आध्यात्मिक नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह आयोजन 1925 में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज की श्रवणबेलगोला की पहली यात्रा के शताब्दी वर्ष का प्रतीक है। इस स्मरणोत्सव के दौरान राधाकृष्णन आचार्य की मूर्ति की स्थापना समारोह और चौथी पहाड़ी के नामकरण समारोह में भी भाग लेंगे।

बाद में, उपराष्ट्रपति मैसूरु में जेएसएस उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी के 16वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे, और स्नातक छात्रों को संबोधित करेंगे।

यह अकादमी जगद्गुरु श्री वीरसिंहासन महासंस्थान मठ, सुत्तूर श्रीक्षेत्र से संबद्ध है। वह कर्नाटक के सबसे प्रमुख मठ केंद्रों में से एक, सुत्तूर मठ के पुराने परिसर का भी दौरा करेंगे। राधाकृष्णन मैसूर के निकट श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर और मंड्या के मेलकोट में चेलुवनारायण स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

आयुर्वेद आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों का संतुलित समाधान है : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आजकल की दुनिया में आयुर्वेद का महत्व लगातार बढ़ रहा है। आधुनिक जीवनशैली , अनियमित खान-पान और पर्यावरण असंतुलन के दबावों के बीच, आयुर्वेद संतुलित जीवन जीने का मार्ग प्रस्तुत करता है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि यह न केवल रोगों के उपचार पर बल्कि रोग निवारण और समग्र स्वास्थ्य पर भी ज़ोर देता है।

वे विश्व आयुर्वेद परिषद और कर्नाटक मुक्त विश्वविद्यालय के सहयोग से मैसूरु में आयोजित चयापचय विकारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन 'समन्वयम-2025' में बोल रहे थे। योग, ध्यान, पंचकर्म और औषधीय जड़ी-बूटियों के माध्यम से, यह शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य स्थापित करता है। आयुर्वेद, आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत होकर, स्वस्थस्य स्वस्थ रक्षणम् के सिद्धांत पर आधारित एक समग्र चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभर रहा है। आचार्य चरक को आयुर्वेद की चिकित्सा शाखा का जनक माना जाता है। उन्होंने चरक संहिता की रचना की, जिसमें रोगों के निदान, उपचार, औषधीय गुणों, आहार-विहार और जीवनशैली के सिद्धांतों का विस्तृत विवरण दिया गया है। उन्होंने रोग से पहले स्वास्थ्य की रक्षा के महत्व का परिचय दिया।

उन्होंने कहा, कर्नाटक राज्य हमेशा से विज्ञान, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। बेंगलूरु जैसे शहर न केवल तकनीकी नवाचार के केंद्र हैं, बल्कि चिकित्सा अनुसंधान के भी प्रमुख केंद्र हैं। बेंगलूरु आईटी की राजधानी है और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र है। मैं विश्व आयुर्वेद परिषद, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु और सुश्रुत आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, बेंगलूरु द्वारा आयोजित मेटाबोलिक विकारों के सार्थक और दूरदर्शी विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन समोजनम 2025 की सफलता की कामना करता हूँ। यह सम्मेलन जिस विषय पर केंद्रित है, वह चिकित्सा जगत और संपूर्ण समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। मेटाबोलिक विकार आज की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक हैं। उन्होंने कहा, मधुमेह, मोटापा, थायरॉइड विकार, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, ये सभी समस्याएँ हमारी आधुनिक जीवनशैली, तनाव और अनियमित खान-पान से जुड़ी हैं।

इस कार्यक्रम में वराहमिहिर उन्नत वैदिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र के निदेशक प्रोफेसर रामचंद्र जी. भट, योग नरसिम्हा स्वामी मंदिर के संस्थापक एस. व्यास, केएसओयू के कुलपति प्रोफेसर शरणप्पा वी. हाल्से, आरजीयूएचएस के कुलपति डॉ. बीसी भगवान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सत्य साईं बाबा जन्मशती:

पुट्टपर्थी में जश्न मनाने के लिए दुनिया भर से लोग पहुंच रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

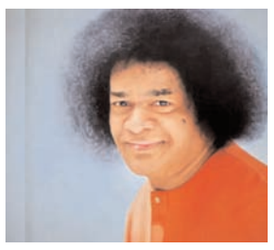

बेंगलूरु/पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)। पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर देश विदेश से उनके भक्त और अनुयायी सत्य साईं बाबा के मुख्य आश्रम और समाधि मंदिर प्रशांति निलयम में जुटने लगे हैं। यह समारोह 13 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा। समारोह में 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। इस समारोह में शामिल होने के लिए स्विट्जरलैंड से आई ऐलेना ने कहा, जब मैं इस आश्रम में आती हूं तो मुझे ऐसा महसूस होता है जैसे मैं अपने घर वापस आ गई हूं। मैं बाबा के जन्मदिन के लिए लगभग एक महीने से यहां हूं।

साईं बाबा के निधन के 14 साल बाद भी उनके सार्वभौमिक आध्यात्मिक उपदेश और 'सेवा' का संदेश देश और दुनिया भर के लोगों को पुट्टपर्थी की ओर आकर्षित कर रहा है। यह उनके जन्म और अंतिम विश्राम दोनों का स्थान है। इस आयोजन में लगभग 140 देशों के भक्त एक साथ आ रहे हैं। बाबा के 2011 में महा समाधि लेने के बाद यह उनका 100वां जन्मदिन समारोह है। जिसे 'श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट' द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसे अबतक का सबसे बड़ा आयोजन माना जा रहा है।

रूस की रहने वाली दारिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मैं यहां आकर बहुत धन्य महसूस कर रही हूं क्योंकि यह वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है। खासकर बाबा के इस 100वें जन्मदिन के लिए।

ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी आर.जे. रत्नकार के अनुसार, पुट्टपर्थी के प्रशांति निलयम आने वाले लोगों की संख्या उस समय की तुलना में अधिक है जब बाबा व्यक्तिगत रूप से यहां मौजूद थे। इसका अर्थ है कि उनका मिशन आगे बढ़ रहा है और यह भरोसा और आत्मविश्वास देता है। समारोह में बड़ी संख्या हिस्सा ले रहे लोगों के लिए मुफ्त भोजन और ठहरने के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जिसके लिए अस्थायी आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों और अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले सेवा दल के नाम से जाने जाने वाले स्वयंसेवकों की सेना भी भीड़ प्रबंधन सहित अन्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एकत्र हो रही है। प्रबंध न्यासी रत्नकार ने बताया कि सत्य साईं बाबा ने आध्यात्मिकता को सामुदायिक सेवा से जोड़ा था।

हम्पा नागराजैया ने केंद्र पर क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया

बेंगलूरु। प्रख्यात विद्वान और नादोजा हम्पा नागराजैया (हम्पाना) ने कहा कि केंद्र सरकार संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए जनभाषाओं का दमन कर रही है। वे शनिवार को बेंगलूरु के कोंडाज्जी बसप्पा हॉल में आयोजित दो दिवसीय समाजमुखी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। हम्पना ने कहा, केंद्र सरकार एक भाषा, एक राष्ट्र, एक चुनाव की नीति पर ज़ोर दे रही है, जबकि लोगों की भाषाओं का व्यवस्थित रूप से दमन किया जा रहा है। राष्ट्रीय बजट का एक बड़ा हिस्सा संस्कृत को बढ़ावा देने में खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले ग्यारह वर्षों में, सरकार ने संस्कृत पर 2,532.59 करोड़ खर्च किए हैं, जबकि द्रविड़ भाषाओं को उस सहायता का एक छोटा सा अंश ही मिला है जिसमें तमिल के लिए 113.4 करोड़, तेलुगु के लिए 12.65 करोड़, कन्नड़ के लिए 12.28 करोड़ और मलयालम के लिए 4.52 करोड़ है। उन्होंने पूछा, यह कितना उचित है कि करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं को इतना कम धन मिलता है, जबकि केवल कुछ हज़ार लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा संस्कृत को इतना उदार धन मिलता है?

हम्पना ने स्पष्ट किया, संस्कृत और हिंदी हमारी दुश्मन नहीं हैं। ये दोनों समृद्ध, शास्त्रीय भाषाएँ हैं। लेकिन इन्हें दूसरों पर थोपा नहीं जाना चाहिए। भाषाई पक्षपात की यह नीति द्रविड़ भाषाओं के प्रति बदले से कम नहीं है। हमें केंद्र के इस पक्षपातपूर्ण रवैये का सामूहिक और कड़ा विरोध करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश में 14 संस्कृत विश्वविद्यालय तो हैं, लेकिन प्राकृत या उतनी ही प्राचीन भारतीय भाषाओं के लिए कोई विश्वविद्यालय नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी, केंद्र सरकार पिछले दरवाज़े से दक्षिणी भाषाओं की एकता और ताकत को कमज़ोर करने की कोशिश कर रही है। हाल के सामाजिक आंदोलनों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, हम्पना ने कहा, पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल में जनक्रांतियों का गुस्सा साफ़ दिखाई दे रहा है। एक भाषा, एक राष्ट्र, एक चुनाव का नारा भले ही आकर्षक लगे, लेकिन यह एक ख़तरनाक भ्रम है-एक भस्मासुर (आत्मघाती राक्षस)। अगर हम अभी नहीं जागे, तो लोकतंत्र जल्द ही इतिहास बन जाएगा। एक अन्य मुख्य अतिथि, प्रो. बरगुर रामचंद्रप्पा ने सार्वजनिक संवाद में नैतिक ज़िम्मेदारी के क्षरण पर चिंता व्यक्त की।

आईईईई फ्यूचर नेटवर्क्स वर्ल्ड फ़ोरम पर मुख्य वक्ता होंगे नोकिया बैल लैब्स के पीटर वेटर

बेंगलूरु। आईईईई फ्यूचर नेटवर्क्स वर्ल्ड फ़ोरम (एफएनडब्ल्यूएफ2025) ने आज अगली पीढ़ी के संचार नेटवर्क को आकार देने वाले दुनिया के इस प्रमुख कार्यक्रम के लिए अपने मुख्य वक्ताओं और एजेंडे की घोषणा की।

कनेक्टिविटी से परे: एक स्थायी और बुद्धिमान भविष्य के लिए 6जी विषय के अंतर्गत, आईईईई 2025 का आयोजन 10-12 नवंबर को व्हाइटफील्ड के शेरेटन ग्रैंड होटल और कन्वेंशन सेन्टर में किया जाएगा। आईईईई 2025 में मुख्य भाषणों, आमंत्रित व्याख्यानों और पैनल चर्चाओं में 70 से अधिक विशेषज्ञ वक्ता शामिल होंगे।

सम्मेलन में अग्रणी शोधकर्ताओं, इंजीनियरों, नीति निर्माताओं, मानक नेताओं और उद्योग अधिकारियों को 6जी को भविष्य के नेटवर्क किस प्रकार स्वचालन, स्थिरता और डिजिटल समावेशन को गति देंगे इस पर रोडमैप को आकार देने और यह प्रदर्शित करने के लिए बुलाया जाएगा।

एर्नाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस का बेंगलूरु में हुआ स्वागत

वंदे भारत ट्रेन भारतीय रेलवे के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है : केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भारतीय रेलवे क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश की रेलवे प्रणाली उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हुई है। मंत्री ने शनिवार शाम बेंगलूरु के सांगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन पर 'एर्नाकुलम-केएसआर बेंगलूरु' वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का स्वागत करते हुए यह बात कही। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। यह उन लोगों के दृढ़ संकल्प का उदाहरण है जो सपने देखते हैं और उन्हें साकार करते हैं। मंत्री ने कहा कि यह कर्नाटक में आने वाली अब तक की सातवीं वंदे भारत ट्रेन है।

वंदे भारत ट्रेन को भारत में विश्वस्तरीय ट्रेनों के उद्घाटन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। इस ट्रेन का उद्घाटन शनिवार को सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। मंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा कदम है जो आधुनिक रेल अवसंरचना पर राष्ट्रीय जोर को और आगे बढ़ाएगा। वंदे भारत ट्रेनों की तकनीकी उत्कृष्टता की सराहना करते हुए, मंत्री कुमारस्वामी ने कहा, इस ट्रेन का डिज़ाइन, निर्माण और परिशोधन हमारे अपने इंजीनियरों और उद्योग द्वारा किया गया है। इन ट्रेनों को प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी अवधारणा अनिर्बान भारत, वैध भारत का प्रतीक माना जाता है।

मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राज्य को केंद्र से अधिक रेलवे लाभ मिल रहे हैं; पिछले बजट में राज्य को 7,564 करोड़ से अधिक प्राप्त हुए हैं। हर साल नई ट्रेनें मिल रही हैं। राज्य की अधिकांश रेलवे लाइनें विद्युतीकृत हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 2025 तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो जाएगा। सांसद पी.सी. मोहन और दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे इंजीनियर, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

वन्दे मातरम् हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मरुस्थल की स्वर्ण धरा जैसलमेर शनिवार को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगी दिखाई दी। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित वन्दे मातरम्150 जिला स्तरीय कार्यक्रम ने पूरे शहर को देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत कर दिया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कहा कि वन्दे मातरम हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है । कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के सामूहिक गान से हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों विद्यार्थी, अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक एक स्वर में जब राष्ट्रगीत गा रहे थे, तब धोरों की यह धरती देशभक्ति की अद्भुत ऊर्जा से गूंज उठी। चारों ओर भारत माता के जयघोष के साथ वातावरण में एक नई चेतना का संचार हुआ।

इस दौरान प्रभारी मंत्री खींवसर ने बाइक रैली का नेतृत्व किया एवं जिला कलक्टर प्रताप सिंह ने गड़ीसर चौराहा से बाइक रैली एवं प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई हनुमान चौराहा तक पहुंची। रैली में शामिल युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वन्दे मातरम् एवं जय जवान – जय किसान के नारे लगाते हुए देशभक्ति का सशक्त संदेश दिया।

खींवसर शहीद स्मारक पहुंचे एवं शहीदों को श्रृद्धा सहित नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन हमें उन अमर शहीदों की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम, केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता एवं गौरव का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक पंक्ति हमें देश के प्रति कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देती है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में देश और प्रदेश नए भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना ओर मजबूत होगी। कार्यक्रम में बीएसएफ, पुलिस एवं होमगार्ड जवान, युवा खिलाड़ी, विद्यार्थी, एनएसएस व एनसीसी के कैडेट, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सीकर में न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान में सर्दी धीरे धीरे जोर पकड़ रही है जहां सीकर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार रात को न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 7.4 डिग्री, अजमेर में 8.1 डिग्री, अलवर में 8.5 डिग्री, लूणकरणसर में 8.7 डिग्री, चूरू में 9.3 डिग्री, पिलानी में 9.5 डिग्री व झुंझुनू में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 34.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र के अनुसार उत्तरी हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण कम स्पष्ट हो गया है जिसके प्रभाव से राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

जयपुर की आवासीय कॉलोनी में दिखा तेंदुआ

जयपुर। जयपुर के दुर्गापुरा इलाके की लाल बहादुर नगर कॉलोनी में शुक्रवार रात तेंदुआ घूमता दिखा जिससे लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कॉलोनी में कई घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में तेंदुआ नजर आया था। इसके बाद निवासियों ने वन विभाग को सूचित किया। इस कॉलोनी में लाल बहादुर नगर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा भी रहते हैं।

डोटासरा ने अंता उपचुनाव को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बूंदी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी अंता उपचुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल करेगी और उन्होंने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को चुनने के भाजपा के फैसले की आलोचना की, जिसके कारण चुनाव कराना जरूरी हो गया है। डोटासरा अंता में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले बूंदी सर्किट हाउस में स्थानीय कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा के साथ 'पीटीआई-भाषा' से बात कर रहे थे। अंता में 11 नवंबर को उपचुनाव होना है। अंता विधानसभा सीट भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा को 20 साल पुराने एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित किए जाने के बाद खाली हुई थी। उन्हें तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई है।

आरपीसीसी प्रमुख ने कहा कि भाजपा के गलत फैसले से जनता पर 200 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है, जिसका इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए किया जा सकता था। उन्होंने राज्य में भीषण सड़क दुर्घटनाओं और आग की घटनाओं में वृद्धि का हवाला देते हुए, लगातार होने वाली त्रासदियों में निर्दोष लोगों की जान जाने के लिए पूरे राज्य मंत्रिमंडल के इस्तीफे की भी मांग की।

उन्होंने कहा, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को टिकट देना और बड़े-बड़े वादे करके उसे जितवाना भाजपा का गलत फैसला था। महज दो साल के भीतर उपचुनाव इसी गलत फैसले का नतीजा है। डोटासरा ने कहा कि राज्य के लोग अब ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, क्योंकि सत्ता में आने से पहले भाजपा द्वारा किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया।

उन्होंने दावा किया, सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन एक करोड़ से घटकर 67 लाख रह गया है। 300 से ज़्यादा सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोग इस सरकार से नाराज हैं, और जैसे ही राहुल गांधी ने भाजपा की 'वोट चोरी' का पर्दाफाश किया, जनता अब मान रही है कि मोदी वोट चोरी के जरिए तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। भाजपा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग पर निशाना साधते हुए डोटासरा ने कहा, राज्य में लगातार निर्दोष लोगों की हत्या की घटनाएं हो रही हैं, फिर भी गर्ग जैसे कैबिनेट स्तर के मंत्री ज्योतिषियों की भविष्यवाणियों का हवाला देते हैं। जब सरकार खुद ऐसी घटनाओं के लिए ज्योतिषियों पर विश्वास करती है, तो कोई भी कल्पना कर सकता है कि राज्य किस स्थिति में पहुंच गया है।

गर्ग ने पहले कहा था, ज्योतिषियों ने इस वर्ष दुर्घटनाओं में वृद्धि की भविष्यवाणी की है, जिसके लिए उनकी कड़ी आलोचना हुई थी।

स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों, शहीदों के परिजनों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत जिला स्तरीय कार्यक्रम डीडवाना स्थित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू- जल मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कहा कि वन्दे मातरम हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सैनिक कल्याण कार्यालय स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के सामूहिक गान से हुआ।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों,पूर्व सैनिकों एवं नागरिकगणों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत गाकर भारत माता व वंदे मातरम के जयघोष के साथ वातावरण में एक नई चेतना का संचार किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राष्ट्रगीत वन्दे मातरम, केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता एवं गौरव का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक पंक्ति हमें देश के प्रति कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत हमें उन अमर शहीदों की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना ओर मजबूत होगी और आमजन में देशभक्ति और एकता का संचार होगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी ने स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को, शौर्यपदक प्राप्त करने वाले सैनिकों एवं शहीदों के परिजनों व वीर नारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारी,जनप्रतिनिधि पूर्व सैनिक,एनएसएस व एनसीसी के कैडेट, सामाजिक संगठन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

घर में मृत मिलीं मां-बेटी

कोटा। राजस्थान के कोटा में रोजाड़ी इलाके में 32 वर्षीय एक महिला और उसकी आठ वर्षीय बेटी अपने किराए के मकान में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक उनकी पहचान ज्योति (32) और उसकी बेटी पलक (8) के रूप में हुई है। ज्योति के परिजनों के अनुसार घर से जेवरात गायब थे, अलमारियां खुली थीं और घरेलू सामान बिखरा पड़ा हुआ था। इससे लूटपाट का संदेह होता है।

पुलिस ने बताया कि ज्योति का डेढ़ साल का बेटा अपने पालने में जिंदा पाया गया। देर तक रोने के कारण अर्ध-बेहोशी की हालत में पाए जाने पर उसके पिता उसे अस्पताल ले गए। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मनीष शर्मा ने शवगृह के बाहर संवाददाताओं को बताया कि इस घटना के संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। ज्योति के पति भगवान वैष्णव ने बताया कि जब वह रात करीब आठ बजे काम से लौटे तो उन्होंने अपनी बेटी को खून से लथपथ पाया।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व जिला प्रभारी मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शनिवार को राजकीय एस. बी. के. महाविद्यालय, जैसलमेर में आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया उन्होंने शिविर स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं रक्तदाताओं से संवाद करते हुए उनके सेवा भाव एवं उत्साह की सराहना की एवं कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। शिविर में पहुंचने पर एनसीसी कैडेटस द्वारा चिकित्सा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।उन्होंने कैडेटस की अनुशासनप्रियता एवं सेवाभाव की प्रशंसा की इसी क्रम में जिले के लोक कलाकारों के प्रस्तुतिकरण को भी उन्होंने सराहा एवं उन्हें समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रभारी मंत्री श्री खींवसर ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, यह न केवल किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाता है, बल्कि समाज में एकजुटता एवं मानवता का संदेश भी देता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान शिविरों में भाग लेकर समाजसेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पूर्व विधायक डॉ. जितेंद्रसिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर परसाराम सैनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेंद्र पालीवाल, सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क प्रवीण प्रकाश चौहान, खेल अधिकारी राकेश विश्नोई, समाजसेवी कंवराज सिंह चौहान, पवन कुमार सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश का सड़क तंत्र बन रहा मजबूत

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान में सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के लिए सड़कों के विकास कार्य को प्राथमिकता व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कर रही है। इसी क्रम में चरणबद्ध रूप से प्रदेश में राज्य राजमार्गों का निर्माण, सड़कों का क्रमोन्नयन, चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, आरओबी, आरयूबी व उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण से राज्य के समग्र विकास को नवीन गति मिल रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में सड़कों के विकास पर 24 हजार 976 करोड़ रुपये व्यय कर 36 हजार 140 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है।

वहीं, 28 हजार 600 किलोमीटर लंबी सड़कों के विकास के लिए 14 हजार 816 करोड़ रुपये के 12 हजार 391 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क तंत्र मजबूत बनाने की दिशा में 1 हजार 564 गांव और बसावटों को सड़कों से जोड़ा गया है। साथ ही, 3 हजार 543 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 1 हजार 328 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, 327 अटल प्रगति पथों के निर्माण के लिए 813 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है।

वन्दे मातरम् हमारी राष्ट्रीय चेतना की आत्मा है : देवासी

जयपुर/दक्षिण भारत। ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्य मंत्री एवं झालावाड़ के प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा वन्दे मातरम, अमर राष्ट्रगीत के रूप में स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है और यह भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना का चिरस्थायी प्रतीक है। प्रभारी मंत्री देवासी भवानी पार्क में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रगीत के महत्व पर आधारित वन्दे मातरम्150 प्रदर्शनी का शुभारंभ किया, राष्ट्रगीत सामूहिक गायन और ''वन्दे मातरम रन'' का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित की। हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं।

प्रभारी मंत्री देवासी ने कहा कि वन्दे मातरम के 150 साल पूरे होने का यह जश्न भारत की राष्ट्रीय पहचान के विकास में इस गीत के गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दिखाता है। यह आयोजन न केवल बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के विजन की स्थायी प्रासंगिकता की पुष्टि करता है, बल्कि आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद, एकता और सांस्कृतिक आत्म-जागरूकता के विमर्श को आकार देने में इस गीत की भूमिका के बारे में नए सिरे से सोचने के लिए भी प्रेरित करता है।

कांग्रेस वंदे मातरम् को बताती है अपनी विरासत, गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा के साथ किया धोखा : घनश्याम तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम गीत भारतीय राष्ट्रभावना की आत्मा है। कांग्रेस वंदे मातरम को अपनी विरासत बता रही है, जबकि कांग्रेस की विरासत भारत विभाजन और तुष्टिकरण की है। मुसलमानों को तुष्ट करने के लिए वंदे मातरम गीत को काटा गया और संविधान की आत्मा में सुई चुभो दी गई। तिवाड़ी ने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को खुली चुनौती देता हूँ कि यदि वह यह समर्थन करे कि वंदे मातरम गीत पूरा गाया जाना चाहिए, तो मैं इसे कांग्रेस की विरासत मानने को तैयार हूँ।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम गीत 7 नवंबर 1875 को बंग दर्शन पत्रिका में बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा प्रकाशित किया गया था। 1896 में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कोलकाता में इसे पहली बार गाया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन की आवाज बन गया था। वहीं 1937 में मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली ने कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम गीत का विरोध मुखर किया। गीत गाने वाले वक्ता को बीच में रोकते हुए उन्होंने इस गीत का बहिष्कार किया। इनता ही नहीं, कांग्रेस के नेताओं ने इस गीत को धर्म से जोड़ते हुए काटने का

घिनौना कार्य किया। कांग्रेस नेताओं ने इस गीत का इसलिए विरोध किया क्योंकि इसमें मां दुर्गा, कमला और सरस्वती के नाम हैं। इसे धर्म से जोड़ते हुए गीत के कई अंशों तक को हटा दिया। जबकि देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में कई मुस्लिम क्रांतिकारियों ने भी इस गीत का गायन किया था।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि कांग्रेस ने 1914 में मुस्लिम लीग से समझौता कर भारत विभाजन की नींव रखी और 1937 में वंदे मातरम गीत को काटकर राष्ट्र की आत्मा से धोखा किया। कांग्रेस ने न केवल बंकिमचंद्र चटर्जी और रवीन्द्रनाथ टैगोर बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की आत्मा को भी ठेस पहुंचाई है।

चिंता है, तो राहुल गांधी ने एससी, एसटी या अल्पसंख्यक को विपक्ष का नेता क्यों नहीं बनाया : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासाराम/भभुआ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को लेकर चिंतित हैं, तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में इन्हीं वर्गों में से किसी को नियुक्त करना चाहिए था। रोहतास और कैमूर जिलों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सिंह ने राहुल गांधी के ''वोट चोरी'' के आरोप को ''बेवजह और निराधार'' बताया। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी के पास सबूत हैं, तो उन्हें निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए।

सिंह ने कहा, ''अगर राहुल गांधी वास्तव में अनुसूचित जातियों, जनजातियों या अल्पसंख्यकों की चिंता करते हैं, तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष का नेता इन्हीं समुदायों से किसी को बनाना चाहिए था।'' राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के नेता बने थे। रक्षा मंत्री ने कहा,''अगर राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रही है, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। वह केवल एक संवैधानिक संस्था पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। वह झूठ बोल रहे हैं।'' सिंह ने कांग्रेस पर जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में दरार पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उसकी ''विभाजनकारी राजनीति'' का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सभी बातों से ऊपर हैं। उन्हें राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए।'' उन्होंने कहा,''भारतीय जनता पार्टी आरक्षण का समर्थन करती है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है।'' सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में सशस्त्र बलों की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह रुका है, खत्म नहीं हुआ।

रिकॉर्ड मतदान विपक्ष के लिए '65 वोल्ट का झटका': नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी/बेतिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुए 65.09 प्रतिशत मतदान ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को 65 वोल्ट का झटका दिया है और अब उसकी रात की नींद उड़ गई है।

मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने व्यापक प्रचार अभियान का समापन करते हुए दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाला विपक्ष सत्ता में आता है, तो लोगों के सिर पर 'कट्टा' रखकर उनसे हाथ ऊपर करवाएगा। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत का पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि पहले चरण में भारी मतदान राजग के पक्ष में गया है। उन्होंने कहा, आप लोगों ने विपक्ष को 65 वोल्ट का झटका दिया है। अब वे रातों की नींद खो चुके हैं। मोदी ने मतदाताओं से अपील की कि वे 11 नवंबर को पहले चरण का रिकॉर्ड तोड़ दें और सुनिश्चित करें कि राजग न केवल सभी सीट जीते बल्कि हर बूथ पर बढ़त बनाए। उन्होंने कहा, मैंने अपना अभियान भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जन्मभूमि से शुरू किया था और आज मैं उसे उस भूमि पर समाप्त कर रहा हूं जहां बापू गांधी महात्मा बने थे। यह कहते हुए प्रधानमंत्री ने पश्चिम चंपारण के बेतिया में अपनी अंतिम सभा को ऐतिहासिक बताया। मोदी ने कहा, मेरा प्रचार आज समाप्त हो रहा है, लेकिन कल भी कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे। मतदान के दिन असली काम मतदाताओं का है। मैं फिर आऊंगानई राजग सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जंगलराज का अंत किया। नीतीश कुमार केवल मोदी की पहली सभा में शामिल हुए थे, जिसे विपक्ष ने मुद्दा बनाया था। राजद पर प्रहार करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस के सिर पर 'कट्टा' रखकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करवाया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब 'कट्टा सरकार' नहीं, 'स्टार्टअप सरकार' चाहती है, जो केवल राजग दे सकता है।

केंद्र ने 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में शिक्षा क्षेत्र में 21,000 करोड़ रुपए का निवेश किया : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोहपुर (असम)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में शिक्षा क्षेत्र में 21,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। सीतारमण ने कहा कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा मिला है, रेलवे मानचित्र पर नए राज्य शामिल हुए हैं और कई ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का निर्माण किया गया है।

वित्त मंत्री ने तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर केंद्रित असम के पहले विश्वविद्यालय की शनिवार को आधारशिला रखने के अवसर पर यह बात कही। विश्वनाथ जिले में गोहपुर के भोलागुड़ी में 415 करोड़ रुपए की लागत से 'स्वाहिद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय' का निर्माण किया जा रहा है। यह विश्वविद्यालय कुल 241 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा। इसमें 2,000 छात्रों के लिए शैक्षणिक ब्लॉक, 1,620 छात्रों के लिए छात्रावास, आवासीय क्वार्टर, अतिथि गृह और एक छात्र सुविधा केंद्र होगा। विश्वविद्यालय कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नौवहन प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस, और स्मार्ट सिटी एवं स्मार्ट वातावरण जैसे विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगा। सीतारमण ने कहा, ''वर्ष 2014 से अब तक केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर में शिक्षा क्षेत्र में 21,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस क्षेत्र में 850 से अधिक नए स्कूल खोले गए हैं। क्षेत्र में पहला एम्स शुरू हो गया है, तथा 200 से अधिक नए कौशल विकास संस्थान चालू हो गए हैं। देश का पहला खेल विश्वविद्यालय भी इसी क्षेत्र में स्थापित किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि अकेले असम में 15 नए मेडिकल कॉलेज बनाए हैं, जबकि दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा कैंसर देखभाल केंद्र राज्य में बन रहा है और प्रदेश में जल्द ही क्षेत्र का दूसरा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) भी होगा।

पीडीपी ने जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जे समाप्त करवाने में भाजपा की मदद की : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि पीडीपी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार बनाने पर 2015 में शुरू हुआ था। अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा क्षेत्र के मीरगुंड में चुनावी सभा को संबोधित करते कहा, भाजपा ने जम्मू कश्मीर को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। हमसे सब कुछ छीन लिया गया। नक्शा नहीं बचा है, हमारी पहचान खतरे में है और विशेष दर्जा खत्म हो गया है। उन्होंने विपक्षी पीडीपी पर भाजपा की योजनाओं में मदद करने का आरोप लगाया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनएसी) नेता ने कहा, 2014 के चुनावों में दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी भाजपा को (सत्ता से) बाहर रखने के मुद्दे पर घर-घर गए थे। लोगों ने उन्हें बड़ी संख्या में वोट दिया, लेकिन चुनाव के तुरंत बाद उन्होंने (पीडीपी ने) भाजपा से हाथ मिला लिया। बडगाम विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। अब्दुल्ला ने पिछले साल यह सीट खाली कर दी थी क्योंकि 2024 के विधानसभा चुनावों में उन्हें दो विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उन्होंने गंदेरबल सीट बरकरार रखी। जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे पर हमला 2019 में नहीं बल्कि 2015 में शुरू हुआ था, जब पीडीपी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी।

बारिश के कारण पांचवां टी20 रद्द, भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला जीती

ब्रिसबेन/भाषा। भारत ने शनिवार को यहां बारिश के कारण पांचवां और अंतिम मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी20 श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। गाबा मैदान पर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (13 गेंद में नाबाद 23 रन) और शुभमन गिल (16 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ आक्रामक शुरुआत की। लेकिन बिजली चमकने से खेल रुक गया, तब भारत ने 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पास खतरनाक अभिषेक को जल्दी आउट करने के मौके थे लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। ग्लेन मैक्सवेल ने शुरुआती ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज का एक आसान कैच छोड़ दिया जबकि चौथे ओवर में जब अभिषेक 11 रन पर थे तब बेन ड्वारशुइस ने उनका कैच टपका दिया। तीन गेंद बाद अभिषेक ने मिडविकेट पर एक जोरदार छक्का लगाकर भारतीय प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया।

गिल ने तीसरे ओवर में ड्वारशुइस पर तीन चौके जड़कर भारत की तेज शुरुआत की लय को बरकरार रखा। श्रृंखला का पहला टी20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था। भारत ने तीसरे और चौथे मैच में क्रमशः पांच विकेट और 48 रन से जीत हासिल करते हुए जबरदस्त वापसी की। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

'मोदी साम्राज्य' के खिलाफ कांग्रेस वही लड़ाई लड़ रही है जो बापू ने अंग्रेजों से लड़ी थी : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार/भागलपुर/पूर्णिया/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी आज जिस लड़ाई को लड़ रही है, वह वही संघर्ष है जो महात्मा गांधी ने कभी ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ा था। उन्होंने कहा कि आज यह लड़ाई 'मोदी साम्राज्य' के खिलाफ है।

बिहार के कटिहार, भागलपुर और पूर्णिया जिलों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह चुनाव प्रचार में 'कट्टा' और 'दो नली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर अपने पद की गरिमा नहीं कायम रख रहे हैं। प्रियंका ने कहा, आज जो लड़ाई इंडिया गठबंधन और कांग्रेस लड़ रही है, वही लड़ाई महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के साम्राज्य के खिलाफ लड़ी थी। आज भी हम आपके अधिकारों और सच्चाई के लिए लड़ रहे हैं। आज भी हम एक साम्राज्यमोदी साम्राज्यके खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी उसी तरह शासन चला रहे हैं जैसे अंग्रेज चलाते थेलोगों को दबाकर और समाज को बांटकर। प्रियंका ने कहा, जिन अधिकारों के लिए गांधीजी ने संघर्ष किया था, वे आज खतरे में हैं। उनमें सबसे बड़ा अधिकार है वोट देने का अधिकार। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री एक ओर 'वंदे मातरम्' का गुणगान करते हैं, जो अहिंसा का प्रतीक है, लेकिन दूसरी ओर सभाओं में 'कट्टा' और 'दो नली' जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अब वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मनाई हो, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) इस गीत को गाने से कतराते थे। यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक था और देश की एकता का संदेश देता था।

बिहार में राहुल गांधी की 'दुकान' बंद हो जाएगी, इंडि गठबंधन का होगा सफाया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्णिया/कटिहार/सुपौल/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन का पूरी तरह सफाया हो जाएगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 160 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगा।

पूर्णिया, कटिहार और सुपौल में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, राहुल गांधी की दुकान अब बिहार में बंद होने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का गढ़ बनाने पर तुले हुए हैं। शाह ने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं। लेकिन हम हर अवैध प्रवासी की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएंगे और उन्हें वापस उनके देश भेजेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार सीमांचल को घुसपैठियों के कब्जे से मुक्त कराएगी और सभी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाएगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की, अगर आप नहीं चाहते कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री घुसपैठिए तय करें, तो राजद-कांग्रेस गठबंधन को हराएं, जो इनकी रक्षा के लिए यात्रा निकाल रहे हैं। शाह ने दावा किया, बिहार में राहुल गांधी की दुकान बंद हो जाएगी, इंडिया गठबंधन का सफाया होगा और 243 सदस्यीय विधानसभा में राजग 160 सीट जीतकर सरकार बनाएगा।

भाजपा की जीत के दावों को खारिज किया खरगे ने, कहा-'लोकसभा में 400 पार का दावा भी निकला खोखला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गया/पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि इन नेताओं का ''400 पार'' वाला दावा भी लोकसभा चुनाव में पूरी तरह गलत साबित हुआ था।

खरगे ने गया में 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा'' क्योंकि यह भी स्पष्ट नहीं है कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन मिलेगा या नहीं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री कुछ भी कह सकते हैं। लोकसभा चुनाव से पहले वह '400 पार' कहते रहे, लेकिन हुआ क्या? भाजपा बहुमत से दूर रह गई और अब वह जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी जैसे सहयोगियों पर निर्भर है।'' जब उनका ध्यान शाह के इस दावे की ओर दिलाया गया कि बिहार विधानसभा की 243 सीट में से राजग को ''160 से अधिक'' सीटे मिलेंगी, तो खरगे ने कहा, ''मैं फिर वही कहूंगाउनका 400 पार वाला दावा याद रखिए, जो बुरी तरह विफल रहा।'' प्रधानमंत्री के इस आरोप पर भी खरगे ने तीखी प्रतिक्रिया दी कि कांग्रेस राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने में अनिच्छुक थी और उसने दबाव में आकर ऐसा किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमें कोई डरा नहीं सकता, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी नहीं। महागठबंधन बिहार में सत्ता में आएगा। वह (मोदी) यह बताएं कि क्या ट्रंप ने भी उनके सिर पर 'कट्टा' रखा था?'' उनका यह तंज इस संदर्भ में था कि अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत ने इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव रोकने का निर्णय उनकी मध्यस्थता से लिया था। खरगे ने यह भी सवाल उठाया, ''जब मोदी और शाह यह कह रहे हैं कि राजग सत्ता में लौटेगा, तो उन्होंने अब तक नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार क्यों नहीं घोषित किया?

जुरेल ने भारत ए के लिए लगातार दूसरा शतक लगाकर टेस्ट एकादश के लिए मजबूत किया दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दूसरी पारी में लगातार दूसरा शतक जड़कर भारतीय टेस्ट एकादश में अपनी जगह पक्की करने की तरफ कदम बढ़ाने के साथ भारत 'ए' की स्थिति मजबूत कर दी।

जुरेल (नाबाद 127) ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे (84) के साथ 184 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ए ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी जिससे टीम की कुल बढ़त 416 रन की गयी।

दक्षिण अफ्रीका ए ने स्टंप्स के समय बिना किसी नुकसान के 25 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। स्टंप्स के समय लेसेगो सेनोक्वेन (नौ) और जॉर्डन हरमन (15) क्रीज पर थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट श्रृंखला में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जुरेल ने टीम में इस भूमिका को निभाते हुए दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा था।

पंत के चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक जड़ने वाले जुरेल अंतिम एकादश में अपनी जगह बरकरार रखे। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

जुरेल ने दमदार रक्षात्मक खेल के दम पर एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपनी पारी में कोई भी जोखम भरा हवाई शॉट खेले बिना शानदार मैदानी शॉट लगाकर रन बटोरे। उन्होंने इस पारी के दौरान कट , ड्राइव और फ्लिक का शानदार इस्तेमाल कर 83 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि दुबे ने 76 गेंदों में पचासा पूरा किया।

जुरेल ने तेज गेंदबाज तियान वान वुरेन की गेंद पर फ्लिक शॉट के साथ 159 गेंद में प्रथम श्रेणी का अपना 14वां शतक पूरा किया। दुबे को शून्य के स्कोर पर कैच टपकाकर जीवनदान देने वाले काइल सिमोंड्स ने शेपो मोरेकी की गेंद पर शानदार कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया।

'जंगलराज': अतीत की परछाई या सियासी हथियार,बिहार चुनाव में धारणा की जंग का केंद्र बना पुराना शब्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/जहानाबाद/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में मुकाबला केवल चुनावी मैदानों में नहीं, बल्कि सोशल मीडिया, टीवी बहसों और जनता की स्मृतियों में भी लड़ा जा रहा है। और जनता की स्मृतियों के इस रणक्षेत्र में शायद ही कोई शब्द'जंगलराज' जितना ताकतवर राजनीतिक हथियार बन पाया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और उसकी प्रमुख सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, विपक्षी राजद और 'इंडिया गठबंधन' पर निशाना साधने के लिए 'जंगलराज' शब्द का बार-बार इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत राजग के शीर्ष नेता लगातार चुनावी सभाओं में 'जंगलराज' का हवाला देते हुए मतदाताओं से अपील कर रहे हैं कि ''उस दौर को लौटने न दें'' और युवाओं को ''जंगलराज के दौर की सच्चाई बताएं।''

यह शब्द लालू प्रसाद और बाद में उनकी पत्नी राबड़ी देवी के शासनकाल (1990 के दशक) के दौरान कथित रूप से कानून-व्यवस्था की बदहाली के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

पहले चरण के मतदान के अगले ही दिन, प्रधानमंत्री मोदी ने कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी रैली के दौरान राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा, ''जंगलराज के युवराज से जब पूछा जाता है कि जनता से किए बड़े-बड़े वादे कैसे पूरे करेंगे, तो वह कहते हैंहमारे पास योजना है। लेकिन जब पूछा जाए कि योजना क्या है, तो वह जवाब नहीं दे पाते।''

करीब दो दशक पहले नीतीश कुमार ने ''जंगलराज खत्म कर सुशासन लाने'' के नारे के साथ सत्ता संभाली थी। लेकिन हर चुनाव में राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई में यह 'बीते दौर की परछाई' फिर जीवंत हो उठती है।

राजग नेता चुनावी सभाओं और टीवी बहस में इस शब्द का बार-बार उल्लेख करते हैं और मतदाताओं से पूछते हैं, ''क्या आप बिहार में जंगलराज की वापसी चाहते हैं?''

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका भारती ने इस पर पलटवार करते हुए कहा , ''भाजपा-जदयू 'जंगलराज' कहकर मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास दिखाने को कुछ ठोस नहीं है। अगर उन्होंने गरीबों और वंचितों के लिए काम किया होता, तो उन्हें इस तरह का भय दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती।''

सुविचार

बिना स्वार्थ के लोगों की मदद करनी चाहिए, भले वह आपका साथ निभाएं या नहीं। अगर आप एक बार गोता लगाते हैं तो भले आपको मोती न मिले परंतु इसका यह मतलब नहीं कि समुद्र में मोती नहीं है।

ट्वीट

राष्ट्रीय एकता के आधार स्तंभ, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के विशेष अवसर पर गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थल का भ्रमण कर लौहपुरुष की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन किया।

-भजनलाल शर्मा

माननीय हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद भरतपुर की उप जिला प्रमुख प्रियंका गुर्जर जी को जिला प्रमुख का चार्ज नहीं दिया गया, जबकि जिला परिषद सीओ खुद उनके अधीनस्थ अधिकारी हैं।

-गोविंदसिंह डोटासरा

कहानी

किस्मत

ट्रेन रवाना होने में काफी समय था। ट्रेन के डिब्बे में केबिन में नेहा अपनी बर्थ पर लेटी हुई थी। सामने की बर्थ पर उसके पति राजन लेटे हुए थे। उसके मन में उठ रहे कई तरफ के सवाल उसे परेशान कर रहे थे। क्या वह अपनी मां को यहां लेकर नहीं आती तो वह बच जाती? क्या उसके भाइयों के समय पर आने और घर ले जाने से मां बच जाती? इस तरह के सवालों ने उसे उधेड़बुन की स्थिति में ला दिया था। वह सोचने लगी कि तरह दिन पहले ही तो वह मां के साथ ट्रेन से अपने शहर से आई थी। उसके लिए इन तेरह दिनों में सब कुछ बदल गया था। समय के साथ बदलते परिवेश और रिश्तों के कारण उसे यह शहर अनजाना और बेगाना सा लगने लगा था। उसकी खुशी में पीठ थपथपाने और दुख में दिलासा देने वाला इस शहर में अब कोई नहीं था। पिछले दिनों एक सच से रुबरु होकर वह ज्यादा परेशान हो गई थी। बर्थ पर आंखें मूंदे लेटे हुए वह अतीत की स्मृतियों में खो गई।

उनके बाबूजी एक सरकारी कर्मचारी थे। बाबूजी ने अपनी नौकरी में आय के सीमित साधन होने के बावजूद किराए के मकान में रहते हुए पारिवारिक जिम्मेदारियों का बिना शिकायत के निर्वाह किया था। सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होने से पहले बाबूजी अपने तीनों बच्चों, दो पुत्र समीर और साहिल और पुत्री नेहा, की शिक्षा और विवाह की जिम्मेदारी से मुक्त हो गए थे। सेवानिवृत्त होने के बाद मिले रुपयों से उन्होने पुत्र मोह में आकर अपने बड़े पुत्र समीर के नाम से जमीन खरीदकर उस पर मकान बनवाया। कुछ समय बाद साहिल ने भी पास वाली जमीन खरीदकर मकान बनवा लिया था। लेकिन सभी किराये वाले मकान में ही रहते थे।

गुजरते समय के साथ एक छत के नीचे रहते हुए भी उसके दोनों भाइयों के परिवार में बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में मन की दूरियां बहुत ज्यादा हो गई थीं। उनमें सामीप्य का अहसास ही नहीं होता था। दोनों परिवार संवादहीनता की स्थिति में रहते थे। उनके दिमाग मे भीतर

हॉस्पिटल में मां को भर्ती कराने के बाद उसने समर को फोन किया। समर से सम्पर्क होते ही उसने पूरी बात बताकर तुरन्त हॉस्पिटल आने के लिए कहा। मां की खांसी रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। मां बेड पर लेटे हुए उसे खोजपूर्ण ष्टि से देख रही थी। जिस मां ने अपने मन की बातों को हमेशा खामोशी की चादर में ढक रखा था शायद कुछ कहना चाहती थी। मां की आंखों से आंसू टपकने लगे थे।

दहकते झूठे अहंकार के कारण एक दूसरे को नीचा दिखाने की उनमें प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। सुविधावाद और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने दोनों परिवार के सदस्यों को संवेदनहीन बना दिया था। वो लोग स्वार्थ और खुद के अपरिहार्य होने के विक्षिप्त भाव से भरे थे। जीवन में सब नश्वर और अस्थायी है का बोध होने के बाद भी उनके जीवन में खोखलापन साफ नजर आता था।

मां और बाबूजी के लिए विघटन के कगार पर खड़े अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांधे रखना असंभव सा हो गया था। क्योंकि परिवार के सदस्यों का अंतर्विरोध ऐसा होने नहीं दे रहा था। उनमें नैसर्गिक अपनत्व और प्रेम लुप्त होने से यह अंतर्विरोध की लहर सुनामी का रुप ले चुकी थी। अपने दोनों बेटों के परिवार के आपस में बढ़ते मतभेद और रोज होने वाली बेवजह कलह से परेशान होकर मां-बाबूजी समीर के नाम वाले नए मकान में आकर रहने लगे थे। बाबूजी अपने मन और मस्तिष्क में चलने वाले द्वंद को कभी अपने चेहरे पर नहीं लाए। उनके चेहरे पर एक स्वाभाविक मुस्कान रहती थी।

जीवन में परेशानियां कब आ जाए पता नहीं चलता। दस वर्ष पहले एक दिन मां के जीवन में भी बाबूजी की मृत्यु के रुप में कभी खत्म नहीं होने वाली परेशानी बिना कोई सूचना दिए आई थी। बाबूजी की मृत्यु से मां को हुए घाव बीतते समय के साथ भरने की बजाय गहरे होते जा रहे थे।

बाबूजी की मृत्यु के कुछ समय बाद ही उसके दोनों भाई अपने-अपने नए मकान में आकर रहने लगे थे। बाबूजी मां के लिए सरकारी पेंशन और घर के सामान के अलावा कुछ और नहीं छोड़ गए थे। समीर घर के सामान के साथ मां को भी अपने परिवार के साथ नए घर में ले आया था। लेकिन मां ज्यादा समय तक समीर के साथ नहीं रह सकी। बच्चों को अपने आंचल में पनाह देने वाली मां अब अपनी पनाह के लिए कभी समीर तो कभी साहिल के साथ रहने लगी। उसकी ज़िंदगी अपने ही बेटों के बीच फुटबाल बनकर रह गई थी। कभी इधर तो कभी उधर। बाबूजी से पुत्र मोह में आकर हुई एक छोटी सी भूल ने मां को अपना सिर छुपाने तक के लिए बिना छत के कर दिया था। मां सही मायने में बेघर हो गई थी। अगर बाबूजी की मृत्यु के बाद पेंशन नहीं मिल रही होती तो मां का क्या हाल होता यह सोचकर ही वह कांप जाती थी।

हर महीने उसकी पेंशन निकलवाने के समय वह जिस बेटे के पास रह रही होती थी पेंशन वही बेटा रख लेता था। वह अपनी ज़िंदगी का बाकी बचा समय दोनों बेटों के घरों में किसी कोने में पड़े पुराने फर्नीचर की तरह पड़ी हुई आंसुओं के घूंट पीकर गुजार रही थी। मां के भीतर के तनाव और घुटन से ज्यादा भारी वातावरण वहां उसके आस-पास रहता था। वह जिस बेटे के पास वह रह रही होती थी उस समय वहां बेटा-बहू उसे चाय, पानी और खाना देकर ही अपना कर्तव्य पूरा कर लेते थे। उससे बातचीत करने के बेटे-बहुओं और पोते-पोतियों के पास समय ही नहीं होता था। उन्हें वह बोझ लगने लगी थी। क्योंकि मां को साथ रखने से उनकी स्वतंत्र जीवन शैली में दखल पड़ता था।

उन घरों में रिश्तों के कोई मायने नहीं थे। घर के नाम पर रिश्तों की ममता और प्यार की बजाय सिर्फ दीवारें थीं। बेटों के घरों में इस तरह की अनेक घटनाएं मां को मानसिक उधेड़बुन और अवसाद में ले आई थीं। इन सभी हालातों को देखते हुए उसने मां को बहुत कोशिशों के बाद समझा कर अपने शहर चलने के लिए तैयार कर लिया था। वह अपने मन ही मन डर भी रही थी कि उसके भाई यह जानकर कहीं बुरा तो नहीं मान जाएंगे? उन्होने मां को उसके साथ जाने के लिए एक बार भी नहीं रोका। और हद तो तब हो गई जब दोनों भाइयों ने हंसते हुए उसे मां को अपने साथ ही रखने का कहा। वह अपने भाइयों के मां के प्रति इस तरह की भावना और व्यवहार से बहुत दुखी हुई थी।

नए शहर और माहौल में अपने नाती-नातिन को मां रोज पुराने किस्से कहानी सुनाती थी। उनके साथ मां बहुत खुश रहती थी। उसकी सहेलियां भी मां के पास आकर गपशप किया करतीं और अनुभव सुना करती थीं। मां को दूसरे शहर में उसके घर आए लगभग चार महीने बीत चुके थे। यह समय कैसे गुजर गया पता ही नहीं चला। अचानक मां अपने बेटों के पास जाने की जिद करने लगी। वह चाहकर भी मां की जिद के कारण उसे अपने साथ नहीं रख पा रही थी। मां बार-बार यही कहती नेहा, आखिर में मुझे जाना तो है ही, बेटी के घर कितने दिन रहूंगी? तेरे ससुराल वाले और समाज वाले क्या सोचेंगे और कहेंगे? यह सच है कि मुझे यहां किसी तरह की परेशानी नहीं है। तुम सब मेरे बेटे-बहुओं से ज्यादा मेरा ध्यान रखते हो। राजन जैसा दामाद हर बेटी वाले को मिले। मैंने तेरा मन रखा इसलिए तेरे साथ यहां चली आई। अपने भाइयों को फोन करके कह दे कि मुझे आकर ले जाएं.... और मां की आवाज कांपने लगती। उसका अपने बेटों के पास जाना शायद उसकी मानसिक या सामाजिक मजबूरी थी।

उसके और राजन के समझाने का मां पर कोई असर नहीं हुआ। क्योंकि वे चाहते थे कि बेटे अपनी मां को इज्जत से बुलाएं या आकर ले जाएं। वह यह नहीं बता सकती थी कि उसके यहां आने के बाद बेटों ने कभी फोन कर मां के बारे में कुछ जानना ही नहीं चाहा।

मां के बहुत जिद करने पर दिसम्बर की शरीर को कंपकपा देने वाली एक सर्द रात में वह और मां ट्रेन से आ गए थे। उस रात ट्रेन अपने तय समय से पांच घन्टे विलम्ब से पहुंची थी।

इसकी सूचना उसने अपने दोनों भाइयों को समय रहते मोबाइल फोन पर दे दी थी। स्टेशन पर लगी घड़ी की सुईयां रात का एक बजा रही थीं। मां की बूढ़ी आंखें स्टेशन के प्लेटफार्म पर समर और साहिल को खोज रही थीं। वे उसे कहीं नजर नहीं आ रहे थे। धीरे-धीरे सभी यात्री अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हो चुके थे। जब उसे कोई भी भाई नजर नहीं आया तो उसने दोनों से मोबाइल फोन पर सम्पर्क करने की बहुत कोशिश करी। लेकिन किसी से भी सम्पर्क नहीं हो सका। प्लेटफार्म पर कोहरा जमा होना शुरु हो गया था। रात के समय टैक्सी से घर जाने की बजाय उसने प्लेटफार्म पर बने यात्री विश्राम कक्ष में मां के साथ रुककर सुबह होने का इंतजार करना उचित समझा। वह स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से व्हील चेयर लाकर मां को उस पर बैठाकर यात्री विश्राम कक्ष में ले गई। कक्ष में वह और मां ही थे। वह मन ही मन घबरा भी रही थी। उसने कक्ष का दरवाजा अंदर से बंद कर मां को बिस्तर पर लेटाकर रजाई ओढ़ा दी।

अस्सी वसंत देख चुकी मां की आंखों में कई सवाल जन्म लेकर धुंधला रहे थे। उनका कोई जवाब नहीं था। मां के माथे पर उभरी चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही थीं। वह थोड़ी-थोड़ी देर में अपने बेटों के आने के बारे में पूछ रही थी। बाहर के साथ-साथ कक्ष में भी ठंड बढ़ने लगी थी। उसने दरवाजा खोलकर बाहर देखा तो कोहरे की चादर में लिपटे प्लेटफार्म पर सन्नाटा पसरा हुआ था।

अपने भाइयों से फोन पर सम्पर्क करने की उसकी सारी कोशिशें असफल हो गई थीं। कुर्सी पर बैठे-बैठे उसकी आंख कब लग गई पता ही नहीं चला। मां के खांसने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली। सुबह के सात बजे थे। उसने दमा रोग की मरीज अपनी मां को दवा दी। कुछ देर बार फिर शुरु हुई लगातार खांसी के साथ मां की हांफने के साथ सांसें उखड़ने लगी थीं। वह तेजी से कमरे से बाहर आई। प्लेटफार्म पर कोहरा पसरा हुआ था। स्टेशन से बाहर एक टैक्सी वाले को मां को नजदीक के प्राइवेट हॉस्पिटल ले चलने के लिए कहा। वह और टैक्सी वाला मां को सहारा देकर कक्ष से टैक्सी तक लेकर आए और हॉस्पिटल ले गए।

हॉस्पिटल में मां को भर्ती कराने के बाद उसने समर को फोन किया। समर से सम्पर्क होते ही उसने पूरी बात बताकर तुरन्त हॉस्पिटल आने के लिए कहा। मां की खांसी रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। मां बेड पर लेटे हुए उसे खोजपूर्ण दृष्टि से देख रही थी। जिस मां ने अपने मन की बातों को हमेशा खामोशी की चादर में ढक रखा था शायद कुछ कहना चाहती थी। मां की आंखों से आंसू टपकने लगे थे। मां ने उसका हाथ पकड़कर रुंधे गले से कहा बेटी नेहा, मेरे आंचल की जिस मिट्टी में तुम जैसा गुलाब पनपा है उस मिट्टी में ये कैक्टस कैसे पनप गए ?..... अचानक मां की सांस और खांसी सहमकर हमेशा के लिए खामोशी में कहीं गुम हो गए। वह दुख में डूबी बहुत देर तक मां की मृत देह से लिपटकर रोती रही।

एक जानी पहचानी आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाकर देखा। वह आवाज उसके भाई समर की थी। समर वार्ड के गेट के बाहर खड़ा समर मोबाइल फोन से घर पर मां की मृत्यु की सूचना दे रहा था। अपनी बहन को ढांढस बंधाने और सांत्वना देने के लिए भाईयों के पास समय और शब्द दोनों नहीं थे। दोपहर को मां का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। इसके बाद उसने बारह दिन अपने भाइयों के यहां भावनात्मक और सामाजिक रुप से अति कष्टप्रद बिताए थे। दोनों भाइयों ने मां की मृत्यु के बारह दिनों तक अनिच्छा से धार्मिक और सामाजिक कार्य किए थे।

ट्रेन रवाना होने की आवाज सुनकर वह अतीत की खोह से वर्तमान में लौटी। और सोचने लगी कि मां के जीवन में दुख के बादलों का नहीं टूटने वाला क्रम अब टूट गया था। सुकून भरी धूप का सुख मां की किस्मत में ही नहीं था।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

पड़ाव के बाद का मौन

एक परिचित के घर बैठा हूँ। उनकी नन्हीं पोती रो रही है। उसे भूख लगी है, पेटदर्द है, घर से बाहर जाना चाहती है या कुछ और कहना चाह रही है, इसे समझने के प्रयास चल रहे हैं। अद्भुत है मनुष्य का जीवन। गर्भ से निकलते ही रोना सीख जाता है। बोलना, डेढ़ से दो वर्ष में आरंभ होता है। शब्द से परिचित होने और तुतलाने से आरंभ कर सही उच्चारण तक पहुँचने में कई बार जीवन ही कम पड़ जाता है।

महत्वपूर्ण है अवस्था का चक्र, महत्वपूर्ण है अवस्था का मौन..। मौन से संकेत, संकेतों से कुछ शब्द, शब्दों के माध्यम से भाषा से परिचित होते जाना और आगे की यात्रा। मौन से आरंभ जीवन, मौन की पूर्णाहुति तक पहुँचता है। नवजात की भाँति ही बुज़ुर्ग भी मौन रहना अधिक पसंद करता है। दिखने में दोनों समान पर दर्शन में जमीन-आसमान।

शिशु अवस्था के मौन को समझने के लिए माता-पिता, दादी-दादा, नानी,-नाना, चाचा-चाची, मौसी, बुआ, मामा-मामी, तमाम रिश्तेदार, परिचित और अपरिचित भी प्रयास करते हैं। वृद्धावस्था के मौन को कोई समझना नहीं चाहता। कुछ थोड़ा-बहुत समझते भी हैं तो सुनी-अनसुनी कर देते हैं।

एक तार्किक पक्ष यह भी है कि जो मौन, एक निश्चित पड़ाव के बाद जीवन के अनुभव से उपजा है, उसे सुनने के लिए लगभग उतने ही पड़ाव तय करने पड़ते हैं। क्या अच्छा हो कि अपने-अपने सामर्थ्य में उस मौन को सुनने का प्रयास समाज का हर घटक करने लगे। यदि ऐसा हो सका तो ख़ासतौर पर बुज़ुर्गों के जीवन में आनंद का उजियारा फैल सकेगा। इस संभावित उजियारे की एक किरण आपके हाथ में है। इस रश्मि के आलोक में चलिए आज सुनें और पढ़ें किसी बुज़ुर्ग का मौन।

बोध कथा

पापी कौन ?

काशी में प्रतापमुकुट नाम का राजा राज्य करता था। उसके वज्रमुकुट नाम का एक बेटा था। एक दिन राजकुमार दीवान के लड़के को साथ लेकर शिकार खेलने जंगल गया। घूमते-घूमते उन्हें तालाब मिला। उसके पानी में कमल खिले थे और हंस किलोल कर रहे थे। किनारों पर घने पेड़ थे, जिन पर पक्षी चहचहा रहे थे। दोनों मित्र वहाँ रुक गये और तालाब के पानी में हाथ-मुँह धोकर ऊपर महादेव के मन्दिर पर गये। घोड़ों को उन्होंने मन्दिर के बाहर बाँध दिया। वो मन्दिर में दर्शन करके बाहर आये तो देखते क्या हैं कि तालाब के किनारे राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ स्नान करने आई है। दीवान का लड़का तो वहीं एक पेड़ के नीचे बैठा रहा, पर राजकुमार से न रहा गया। वह आगे बढ़ गया। राजकुमारी ने उसकी ओर देखा तो वह उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी भी उसकी तरफ़ देखती रही। फिर उसने किया क्या कि जूड़े में से कमल का फूल निकाला, कान से लगाया, दाँत से कुतरा, पैर के नीचे दबाया और फिर छाती से लगा, अपनी सखियों के साथ चली गयी।

उसके जाने पर राजकुमार निराश हो अपने मित्र के पास आया और सब हाल सुनाकर बोला, मैं इस राजकुमारी के बिना नहीं रह सकता। पर मुझे न तो उसका नाम मालूम है, न ठिकाना। वह कैसे मिलेगी? दीवान के लड़के ने कहा, राजकुमार, आप इतना घबरायें नहीं। वह सब कुछ बता गयी है। राजकुमार ने पूछा, कैसे?

वह बोला, उसने कमल का फूल सिर से उतार कर कानों से लगाया तो उसने बताया कि मैं कर्नाटक की रहनेवाली हूँ। दाँत से कुतरा तो उसका मतलब था कि मैं दंतबाट राजा की बेटी हूँ। पाँव से दबाने का अर्थ था कि मेरा नाम पद्मावती है और छाती से लगाकर उसने बताया कि तुम मेरे दिल में बस गये हो। इतना सुनना था कि राजकुमार खुशी से फूल उठा। बोला, अब मुझे कर्नाटक देश में ले चलो।

दोनों मित्र वहाँ से चल दिये। घूमते-फिरते, सैर करते, दोनों कई दिन बाद वहाँ पहुँचे। राजा के महल के पास गये तो एक बुढ़िया अपने द्वार पर बैठी चरखा कातती मिली। उसके पास जाकर दोनों घोड़ों से उतर पड़े और बोले, माई, हम सौदागर हैं। हमारा सामान पीछे आ रहा है। हमें रहने को थोड़ी जगह दे दो। उनकी शक्ल-सूरत देखकर और बात सुनकर बुढ़िया के मन में ममता उमड़ आयी। बोली, बेटा, तुम्हारा घर है। जब तक जी में आए, रहो। दोनों वहीं ठहर गये। दीवान के बेटे ने उससे पूछा, माई, तुम क्या करती हो? तुम्हारे घर में कौन-कौन है? तुम्हारी गुज़र कैसे होती है? बुढ़िया ने जवाब दिया, बेटा, मेरा एक बेटा है जो राजा की चाकरी में है। मैं राजा की बेटी पद्मावती की धाय थी। बूढ़ी हो जाने से अब घर में रहती हूँ। राजा खाने-पीने को दे देता है। दिन में एक बार राजकुमारी को देखने महल में जाती हूँ।

राजकुमार ने बुढ़िया को कुछ धन दिया और कहा, माई, कल तुम वहाँ जाओ तो राजकुमारी से कह देना कि जेठ सुदी पंचमी को तुम्हें तालाब पर जो राजकुमार मिला था, वह आ गया है। अगले दिन जब बुढ़िया राजमहल गयी तो उसने राजकुमार का सन्देशा उसे दे दिया। सुनते ही राजकुमारी ने गुस्सा होंकर हाथों में चन्दन लगाकर उसके गाल पर तमाचा मारा और कहा, मेरे घर से निकल जा। बुढ़िया ने घर आकर सब हाल राजकुमार को कह सुनाया। राजकुमार हक्का-बक्का रह गया। तब उसके मित्र ने कहा, राजकुमार, आप घबरायें नहीं, उसकी बातों को समझें। उसने देसों उँगलियाँ सफ़ेद चन्दन में मारीं, इससे उसका मतलब यह है कि अभी दस रोज़ चाँदनी के हैं। उनके बीतने पर मैं अँधेरी रात में मिलूँगी। दस दिन के बाद बुढ़िया ने फिर राजकुमारी को ख़बर दी तो इस बार उसने केसर के रंग में तीन उँगलियाँ डुबोकर उसके मुँह पर मारीं और कहा, भाग यहाँ से। बुढ़िया ने आकर सारी बात सुना दी। राजकुमार शोक से व्याकुल हो गया। दीवान के लड़के ने समझाया, इसमें हैरान होने की क्या बात है? उसने कहा है कि मुझे मासिक धर्म हो रहा है। तीन दिन और ठहरो।

तीन दिन बीतने पर बुढ़िया फिर वहाँ पहुँची। इस बार राजकुमारी ने उसे फटकार कर पच्छिम की खिड़की से बाहर निकाल दिया। उसने आकर राजकुमार को बता दिया। सुनकर दीवान का लड़का बोला, मित्र, उसने आज रात को तुम्हें उस खिड़की की राह बुलाया है। मारे खुशी के राजकुमार उछल पड़ा। समय आने पर उसने बुढ़िया की पोशाक पहनी, इत्र लगाया, हथियार बाँधे। दो पहर रात बीतने पर वह महल में जा पहुँचा और खिड़की में से होकर अन्दर पहुँच गया। राजकुमारी वहाँ तैयार खड़ी थी। वह उसे भीतर ले गयी।

अन्दर के हाल देखकर राजकुमार की आँखें खुल गयीं। एक-से-एक बढ़कर चीजें थीं। रात-भर राजकुमार राजकुमारी के साथ रहा। जैसे ही दिन निकलने को आया कि राजकुमारी ने राजकुमार को छिपा दिया और रात होने पर फिर बाहर निकाल लिया। इस तरह कई दिन बीत गये। अचानक एक दिन राजकुमार को अपने मित्र की याद आयी। उसे चिन्ता हुई कि पता नहीं, उसका क्या हुआ होगा। उदास देखकर राजकुमारी ने कारण पूछा तो उसने बता दिया। बोला, वह मेरा बड़ा प्यारा दोस्त हैं बड़ा चतुर है। उसकी होशियारी ही से तो तुम मुझे मिल पाई हो। राजकुमारी ने कहा, मैं उसके लिए बढ़िया-बढ़िया भोजन बनवाती हूँ। तुम उसे खिलाकर, तसल्ली देकर लौट आना। खाना साथ में लेकर राजकुमार अपने मित्र के पास पहुँचा। वे महीने भर से मिले नहीं। थे, राजकुमार ने मिलने पर सारा हाल सुनाकर कहा कि राजकुमारी को मैंने तुम्हारी चतुराई की सारी बातें बता दी हैं, तभी तो उसने यह भोजन बनाकर भेजा है। दीवान का लड़का सोच में पड़ गया। उसने कहा, यह तुमने अच्छा नहीं किया। राजकुमारी समझ गयी कि जब तक मैं हूँ, वह तुम्हें अपने बस में नहीं रख सकती। इसलिए उसने इस खाने में ज़हर मिलाकर भेजा है।

वीर गाथा

मेजर विजय वर्मा: अब तक 2 दर्जन से ज्यादा आतंकवादियों को भेज चुके परलोक!

मेजर विजय वर्मा का जन्म राजस्थान में जयपुर जिले के सांगटेडा गांव में हुआ था। माता किरण देवी और पिता जगदीश प्रसाद वर्मा के बेटे विजय ने अपने नाम को चरितार्थ करते हुए कई सैन्य अभियानों में भारत को विजय दिलाई है। वे भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट में शामिल हुए थे। बाद में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 44वीं बटालियन में भेज दिया गया। मेजर विजय ने विभिन्न अभियानों का नेतृत्व करते हुए दो दर्जन से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 4 अक्टूबर, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के एक गांव में कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद मेजर विजय वर्मा को उस अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जब घेराबंदी की जा रही थी तो आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की और जवानों की ओर ग्रेनेड फेंके। अपने साथियों पर मंडराते खतरे को ध्यान में रखते हुए विजय ने आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की। इस दौरान विजय ने एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और उसे वहीं मार गिराया। उन्होंने 2 आतंकवादियों को बुरी तरह घायल कर दिया था। बाद में पता चला कि वह एक कुख्यात आतंकवादी था, जिसने पूर्व में एक पुलिस अधिकारी पर हमला कर उसे घायल किया था। उसी समय विजय को सूचना मिली कि यहां से सात किलोमीटर दूर एक और गांव में आतंकवादी देखे गए हैं।

उन्होंने मौजूदा अभियान जारी रखते हुए उस गांव में दूसरा अभियान शुरू करने के लिए टीम बनाई और उसे जरूरी निर्देश दिए। कुछ समय बाद टीम ने वहां भी एक आतंकवादी को ढेर कर दिया।

मेजर विजय वर्मा ने आतंकवादियों का खात्मा करने में जिस तरह अनुकरणीय नेतृत्व और विशिष्ट वीरता का प्रदर्शन किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह, भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा के साथ, जम्मू के बाहरी इलाके में नगरोटा विधानसभा उपचुनाव से पहले एक रैली के दौरान।

दुनिया भर में भारतीय दूतावासों ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

वाशिंगटन/ओटावा/भाषा। दुनिया भर में भारतीय दूतावासों ने देश के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामुदायिक समारोहों के साथ प्रवासी भारतीयों में एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रतिबिंबित किया।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1875 में रचित, वंदे मातरम को सबसे पहले उनके उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया था और बाद में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक नारा बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को इसकी 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में साल भर जारी रहने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सात नवंबर को भारतीय प्रवासी छात्रों द्वारा सामूहिक गायन के साथ इस मील के पत्थर को चिह्नित किया गया।

ओटावा में, उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने भारतीय प्रवासी सदस्यों और उच्चायोग के अधिकारियों के साथ 'वंदे मातरम' गायन का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में ओडिसी नृत्य का प्रदर्शन भी किया गया। मिशन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''इस अमर स्तुति का सम्मान करते हुए, हम एक आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और पुनरुत्थानशील विकसित भारत 2047 के प्रति अपने संकल्प की पुष्टि करते हैं।'' दोहा में, राजदूत विपुल ने एक कार्यक्रम में राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन का नेतृत्व किया, जिसे दूतावास ने राष्ट्र को जोड़ने वाली देशभक्ति और एकता की भावना के प्रति एक सम्मान बताया। रियाद में, राजदूत सुहेल एजाज खान ने भारतीय समुदाय के साथ 'वंदे मातरम' गायन में भाग लिया और कहा कि उन्हें मातृभूमि की भावना को महसूस करने पर ''गर्व'' हो रहा है। मिशन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''इस सामूहिक गायन में आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार तीनों सेनाओं के अभियान 'समुद्र प्रदक्षिणा' की सभी महिला दल की सदस्य भी शामिल हुईं – जो समुद्र के पार भारत की भावना, एकता और नारी शक्ति के प्रति एक सम्मान है।''

क्या आप एआई की मदद से मृत व्यक्तियों से बात कर सकते हैं? हमने 'डेथबॉट्स' आजमाए हैं

लंदन। मृतकों की आवाज और कहानियों को संजोने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। कुछ चैटबॉट्स प्रियजनों की तरह बात करते हैं, और कुछ 'वॉइस' अवतार आपको मर चुके लोगों से 'बात' करने की सुविधा देते हैं। इस तरह डिजिटल दुनिया में एक नया उद्योग बन रहा है, जो स्मृतियों को जीवंत बनाने और कुछ मामलों में उन्हें सदा के लिए कायम रखने का वादा करता है। हाल ही में 'मेमोरी, माइंड एंड मीडिया' में प्रकाशित हमारे शोध में, हमने यह पता लगाया कि जब मृतकों को याद रखने का काम किसी एल्गोरिदम पर छोड़ दिया जाता है, तो क्या होता है। हमने यह जानने के लिए अपने डिजिटल संस्करणों से भी बात करने की कोशिश की। ''डेथबॉट्स'' एआई प्रणाली है जिसे मृत व्यक्ति की आवाज, बोलने के तरीके और व्यक्तित्व का अनुकरण करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये किसी व्यक्ति की आवाज की रिकॉर्डिंग, पाठ संदेश, ईमेल और सोशल मीडिया पोस्ट का उपयोग करके ऐसे 'इंटरैक्टिव एवटार' बनाते हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वे मृत्यु से परे 'बात' कर रहे हों। जैसा कि मीडिया सिद्धांतकार सिमोन नताले ने कहा है, इन भ्रम की तकनीक का आधार अध्यात्मवादी परंपराओं में हैं लेकिन एआई उन्हें कहीं अधिक विश्वसनीय और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाता है।

हमारा काम 'सिंथेटिक पास्ट्स' नामक एक परियोजना का हिस्सा है, जो व्यक्तिगत और सामूहिक स्मृति के संरक्षण पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करती है। अपने अध्ययन के लिए, हमने उन सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जो एआई का उपयोग करके किसी व्यक्ति की आवाज, यादों या डिजिटल उपस्थिति को संरक्षित या पुनर्निर्मित करने का दावा करती हैं।

यह समझने के लिए कि वे कैसे काम करते हैं, हम खुद ही परीक्षण किये। हमने अपने वीडियो, संदेश और वॉइस नोट्स अपलोड किए और अपने डिजिटल प्रतिरूप बनाए। कुछ मामलों में, हमने अपने स्वयं के कृत्रिम परलोक तैयार करने वाले उपयोगकर्ताओं की भूमिका निभायी। कुछ मामलों में, हमने शोक संतप्त व्यक्ति की भूमिका निभायी जिसने किसी दिवंगत व्यक्ति के डिजिटल संस्करण से बात करने की कोशिश की।

हमने जो पाया वह दिलचस्प भी था और परेशान करने वाला भी। कुछ प्रणालियां स्मृति को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। वे उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत कहानियों को रिकॉर्ड करने और संग्रहीत करने में मदद करती हैं, जिन्हें विषय के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है, जैसे बचपन, परिवार या प्रियजनों के लिए सलाह। फिर एआई सामग्री को अनुक्रमित करता है और लोगों को एक खोज योग्य संग्रह में मार्गदर्शन करता है।

अन्य प्रणालियां निरंतर संवाद बनाने के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग करती हैं।

'जूटोपिया 2' में 'जुडी हॉप्स' की आवाज बनेंगी श्रद्धा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने शनिवार को जानकारी दी कि वे हॉलीवुड फिल्म 'जूटोपिया 2' में अपनी आवाज देंगी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर में श्रद्धा जूडी हॉप्स के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, 'जूटोपिया 2' परिवार में शामिल होने के लिए और जूडी हॉप्स की आवाज देने के लिए बहुत खुश हूं। वह बहादुर, निडर, उत्साही और बहुत प्यारी है और मैं इसे बचपन से पसंद करती हूं। आज आपके लिए एक खास सरप्राइज भी आने वाला है। जुड़े रहिए। अभिनेत्री की पोस्ट देखने के बाद फैंस 'जूटोपिया 2' के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।'जूटोपिया' 2016 की डिज्नी की एनिमेटेड फिल्म है, जिसमें एक खरगोश पुलिस अधिकारी (जूडी हॉप्स) और एक लोमड़ी ठग (निक वाइल्ड) एक रहस्यमय षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हैं। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया भी मिली थी। साथ ही, इसने ऑस्कर भी जीता था।अब इसका सीक्वल जल्द ही आने वाला है, जिसे जारेड बुश और जोसी ट्रिनिडैड ने मिलकर निर्देशित किया है और जिसे आवाज श्रद्धा कपूर देंगी।

अभिनेत्री जल्द ही पीरियड ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी जानकारी और नाम की घोषणा नहीं की है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर करेंगे और यह फिल्म नवंबर से शुरू हो सकती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने निर्माता एकता कपूर के साथ एक मल्टी-फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा एकता कपूर के एक और अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी दिखेंगी। खबर है कि लोकप्रिय फिल्म 'धूम' फ्रैंचाइजी के लिए भी श्रद्धा की बातचीत चल रही है। अभिनेत्री को साल 2024 में अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2: सरकटे का आतंक' में देखा गया था। यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की चौथी फिल्म थी और 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल थी। इस फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी थे।

बंधक के अवशेष मिलने के बाद इजराइल ने 15 फलस्तीनियों के शव लौटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। गाजा के अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि उन्हें युद्ध विराम समझौते के तहत इजराइल की ओर से सौंपे गए 15 फलस्तीनियों के शव मिल गए हैं। एक दिन पहले हमास ने बंधक बनाए गए एक व्यक्ति का शव इजराइल को लौटा दिया था। युद्ध विराम समझौते के तहत, इजराइल ने प्रत्येक इजराइली बंधक के बदले 15 फलस्तीनियों के शव सौंपे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शव शनिवार को खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल लाए गए। हमास द्वारा एक और व्यक्ति का शव सौंपा जाना अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के क्रियान्वयन की दिशा में एक और कदम है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, बंधक के शव की पहचान लियोर रुडेफ के रूप में हुई है।

'होस्टेजेस एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' ने बताया कि रुडेफ का जन्म अर्जेंटीना में हुआ था और वह बचपन में दक्षिणी इजराइल आ गया था। फोरम ने बताया कि हमास के हमले में रुडेफ की मौत हो गई थी जिसके बाद उसका शव गाजा ले जाया गया था। युद्धविराम समझौता 10 अक्टूबर को लागू होने के बाद से फलस्तीनी चरमपंथियों ने रुडेफ के शव सहित 23 बंधकों के शव सौंप दिए हैं और पांच बंधक अब भी गाजा में हैं।

शनिवार को लौटाए गए शवों को मिलाकर, इजराइल ने 300 फ़लस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। गाज़ा में स्वास्थ्य अधिकारियों को डीएनए किट उपलब्ध न होने के कारण शवों की पहचान करने में काफ़ी दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने अब तक 84 शवों की पहचान कर ली है। युद्धविराम की शर्तों के तहत, इजराइल को गाज़ा में काफ़ी ज़्यादा राहत सामग्री पहुंचाने की अनुमति देनी होगी। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फ़रहान हक़ के अनुसार, इस समझौते के तहत राहत कार्य अभी भी गाज़ा में ज़रूरत से काफी कम हैं। उन्होंने बताया कि गाजा में 2,00,000 मीट्रिक टन से ज़्यादा राहत सामग्री पहुंचाने की योजना है, लेकिन अभी तक केवल 37,000 टन ही पहुंचाई जा सकी है।

विजय देवरकोंडा ने की 'द गर्लफ्रेंड' की तारीफ

नई दिल्ली/एजेन्सी

रश्मिका मंदाना और धीक्षित शेट्टी स्टारर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। कई भाषाओं में रिलीज की गई फिल्म एक टॉक्सिक रिश्ते को दिखाती है। एक्टर विजय देवरकोंडा ने फिल्म की जमकर तारीफ की, जिससे खुश रश्मिका ने उन्हें एक प्यारा रिप्लाई किया। विजय देवरकोंडा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' की तारीफ में एक पोस्ट डाला था, जिसका जवाब देते हुए रश्मिका ने बहुत सारे हार्ट इमोजी पोस्ट किए। उन्होंने लिखा, ये शब्द बहुत ही पावरफुल हैं, ये मेरे लिए बहुत जरूरी हैं, हालांकि इतनी अच्छी बातों को पचाना मेरे लिए मुश्किल होगा, लेकिन बहुत अच्छी बात कही है आपने। ये फिल्म धीमी गति से जलने वाली कहानी है जो लंबे समय तक चलती रहेगी। उन्होंने आगे लिखा, विजय देवरकोंडा, आप शुरू से ही इस फिल्म का इनडायरेक्ट तरीके से हिस्सा रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि आपको इस फिल्म के लिए मुझ पर गर्व होगा। रश्मिका ने चार लाइनों के पोस्ट में चार बार हार्ट इमोजी पोस्ट किया है।

दरअसल विजय देवरकोंडा ने फिल्म की तारीफ कर लिखा, मुझे पता है उन्होंने कुछ जबरदस्त बनाया है, कुछ खास बनाया है, कुछ ऐसा जिसे पचाना मुश्किल होगा।

मुझे पता है कि सभी कलाकारों का अभिनय बेहतरीन है और हम पर्दे पर फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं। आप सभी ने बहुत सारी मेहनत की है। ये पोस्ट इसलिए भी खास है, क्योंकि बीते साल से ही रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के डेटिंग की खबरें लगातार आ रही हैं। दोनों के वेकेशन पोस्ट भी सामने आ चुके हैं। खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों स्टार्स बीते साल ही गुपचुप तरीके से सगाई कर चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल फरवरी में वे सात फेरों के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी 26 फरवरी, 2026 को राजस्थान के उदयपुर पैलेस में होने वाली है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा दोनों एक साथ कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं और मीडिया के सामने भी बहुत एलिगेंट तरीके से पेश होते हैं, हालांकि दोनों ने आज तक अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में बढ़ सकती हैं शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें

मुंबई/एजेन्सी

60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बेस्ट डील कंपनी के माध्यम से निवेशकों के साथ की गई कथित करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में नया और बड़ा खुलासा सामने आया है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच से पता चला है कि यह धोखाधड़ी केवल 60 करोड़ रुपये तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक है। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने कंपनी के चार पूर्व कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ), पूर्व अकाउंटेंट और दो पूर्व निदेशक शामिल हैं। जांच एजेंसी अब पूरे वित्तीय लेन-देन और निवेश प्रक्रिया की गहराई से पड़ताल कर रही है। जांच को आगे बढ़ाने के लिए शाखा जल्द ही फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त करेगी, जिससे कंपनी के बैंक खातों की जांच कराई जा सके। मामले में राज कुंद्रा के अलावा कई अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं, जिन्होंने धोखाधड़ी में पूरी मदद की है।

जांच अधिकारियों का कहना है कि फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद मामला साफ हो जाएगा और आरोप पत्र दायर करने से पहले ऑडिट रिपोर्ट मिल जाएगी।

ईओडब्लू की जांच में यह सामने आया है कि निवेशकों का पैसा लगातार राज कुंद्रा से जुड़ी कंपनियों के बीच ही घुमाया जाता था और बैलेंस शीट पर कंपनियों के नाम पर खर्चे दिखा रहे थे। ईओडब्लू के बयान के मुताबिक, राज कुंद्रा की कंपनी बेस्ट डील टीवी पर किसी प्रोडक्ट का विज्ञापन देखने के बाद ग्राहक जब आर्डर करता था तो उस आर्डर को सेलर कंपनी से सीधे लेने के बजाय राज कुंद्रा उसे खरीदने अपनी ही कंपनी स्टेटमेंट मीडिया सॉल्यूशंस (एसएमएस) को देते थे। प्रोडक्ट खरीदने के बाद अपनी कंपनी कूरियर कंपनी एसएलएस लॉजिस्टिक के जरिए डिलीवर भी कराई जाती थी, जबकि कंपनी की बैलेंस शीट और निवेशकों को दिखाए गए दस्तावेजों में यह दर्शाया गया था कि सेवाएं अलग-अलग कंपनियों से ली जा रही हैं। ईओडब्लू अधिकारियों के अनुसार, भले ही एसएमएस और एसएलएस लॉजिस्टिक कंपनियों में राज कुंद्रा का नाम डायरेक्टर के रूप में दर्ज नहीं है, लेकिन दोनों कंपनियों के निदेशक उसके बेहद करीबी लोग थे। जांच में यह भी पता चला है कि एसएमएस कंपनी ने अधिकांश वेंडरों को वास्तविक भुगतान नहीं किया, जबकि रिकॉर्ड में भुगतान दिखाया गया है। इन खुलासों के बाद फिलहाल राज कुंद्रा की परेशानी बढ़ गई है।

इफ्फी में 81 देशों की 240 से अधिक फिल्में दिखाई जाएंगी

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 56वां संस्करण गोवा में 20 से 28 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा और इसमें 81 देशों की 240 से अधिक फिल्में दिखाई जाएंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फिल्म महोत्सव में दिखाई जाने वाली 240 से अधिक फिल्मों में से 13 फिल्में विश्व प्रीमियर, पांच अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर और 44 एशियाई प्रीमियर फिल्में शामिल हैं। जापान को 2025 के लिए 'कंट्री ऑफ फोकस' चुना गया है और इस महोत्सव में देश की उभरती सिनेमाई भाषा का प्रतिनिधित्व करने वाली छह चुनिंदा फ़िल्में दिखाई जाएंगी। स्पेन 'पार्टनर कंट्री' और ऑस्ट्रेलिया 'स्पॉटलाइट कंट्री' होगा। इस महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें पांच महाद्वीपों की 32 फिल्में शामिल होंगी साथ ही विश्व के प्रमुख फिल्म महोत्सवों की शीर्ष पुरस्कार विजेता फिल्में भी शामिल होंगी। इस वर्ष के महोत्सव में 127 देशों से रिकॉर्ड 2,314 फिल्में प्राप्त हुईं, जिनमें भारत से विभिन्न 18 भाषाओं में 1098 फिल्में शामिल थीं। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बयान में कहा, ''इफ्फी 2025 एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है क्योंकि यह समावेशिता और विविधता को अपनाता है, दुनिया के सभी कोनों की अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करता है और साथ ही भारतीय क्षेत्रीय सिनेमा की समृद्ध कला को उजागर करता है।''

फिल्म 'फतेह' के लिए सोनू सूद ने हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए की थी खूब मेहनत

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मों और अपने सामाजिक कार्यों के लिए विख्यात एक्टर सोनू सूद बिहार में अपनी अनटाइटल फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। एक्टर को बिहार की यात्रा करते हुए देखा गया। अब उन्होंने अपनी खास फिल्म 'फतेह' की मेकिंग पोस्ट की है, जिसमें अभिनेता फिल्म के हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते दिख रहे हैं। अभिनेता सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो को री-पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने 'फतेह' की मेकिंग वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में एक्टर हर सीन को परफेक्ट और रियल बनाने के लिए बारीकियों पर ध्यान दे रहे हैं।

वीडियो में सोनू रेगिस्तान में एक्शन सीन फिल्मा रहे हैं, जिसमें गाड़ियों का स्टंट होना है। इसके अलावा, वे एक शख्स के साथ एक्शन करते भी दिख रहे हैं। इस वीडियो को एक्टर के फैन पेज ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा है, लाइट्स, कैमरा और बीटीएस। एक मास्टरपीस बनाने में क्या-क्या करना पड़ता है और कितनी मेहनत लगती है। सोनू सूद ने फिल्म 'फतेह' में सिर्फ बतौर एक्टर काम नहीं किया बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया। इसी वजह से एक्टर की ये फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। 'फतेह' 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडीज ने मिलकर फिल्म का जबरदस्त प्रमोशन किया था, लेकिन फिल्म बड़े पर्दे पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म का बजट लगभग 30 से 40 करोड़ के बीच बताया गया, लेकिन फिल्म सिर्फ बजट निकालने में ही कामयाब रही, जिसके बाद मेकर्स ने फिल्म को दो महीने बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज कर दिया। एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फतेह' कोविड-19 महामारी के दौरान हुए साइबर क्राइम के मुद्दों पर बनी है।

फिल्म में सोनू ने पूर्व स्पेशल टास्क फोर्स अधिकारी का रोल प्ले किया है, जो गांव में शांति से अपनी जिंदगी बिता रहा है, लेकिन उनके गांव में अचानक साइबर अपराध सिंडिकेट एक्टिवेट हो जाता है और उस गैंग को पकड़ने के लिए सोनू सूद खुशी यानी जैकलीन फर्नांडीज की मदद लेते हैं। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और खून-खराबा देखने को मिला है।

सोनू सूद फिल्मों पर फोकस करने के अलावा सामाजिक कल्याण के कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। वे कोविड के समय से ही लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। हाल ही में पंजाब में आई भयंकर बाढ़ में हजारों घर उजाड़ दिए। एक्टर ने पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद की है।

अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने किया फिल्म 'हक' से डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म हक से बतौर एसोसिएट प्रोड्यूसर डेब्यू किया है। इस मौके पर अभिनेत्री ने पति की तारीफ की। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, प्रिय पति, आज वो दिन आ गया है, जब आपकी फिल्म हक सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपका नया सफर शुरू हो गया है और मुझे आप पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं कि मैं आपकी जिंदगी का हिस्सा हूं और इस खास पल को देख पा रही हूं। अभिनेत्री ने विक्की के सफर को याद करते हुए लिखा, बिलासपुर से लेकर मुंबई तक आपका सफर रहा है और आपने ये सब कुछ अपनी मेहनत, विश्वास और लगन से हासिल किया है। मुझे यकीन है कि आपको ये सब कुछ एक सपने को सच करने जैसा लग रहा होगा, क्योंकि यह सब आपकी मेहनत और आत्मविश्वास का नतीजा है। आप जितना भी आगे बढ़ो, हमेशा याद रखो कि आपने शुरुआत कहां से की थी और हमेशा जमीन से जुड़े रहो, नम्र रहो और उन लोगों को कभी मत भूलो, जिन्होंने आपका साथ तब दिया, जब आपके पास कुछ भी नहीं था।

अंकिता लोखंडे ने आगे लिखा कि मैं हमेशा आपके साथ हूं। पूरे दिल से और हर कदम में आपका साथ निभाऊंगी। उन्होंने लिखा, आज मैं खुद को सबसे गर्वित पत्नी महसूस कर रही हूं। अभिनेत्री ने फिल्म मेकर को धन्यवाद देते हुए लिखा, संदीप सिंह, आपने अब तक हमारे लिए जो कुछ भी किया, उसके

लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप हमेशा परिवार जैसे रहे हैं और आपने यह हर तरह से साबित किया है। आप सच में हमारे लिए भगवान द्वारा भेजे गए इंसान हैं और हम आपको दिल से प्यार करते हैं। इसी के साथ विशाल गुरनानी और जूही पारेख मेहता को फिल्म के हिट की बधाई देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, आप दोनों को दिल से बधाई और मुझे यकीन है कि फिल्म हक सुपरहिट साबित होगी। आपने फिल्म में शानदार काम किया है। मुझे भरोसा है कि जब पूरा देश फिल्म देखेगा, तो वह भी आप पर गर्व महसूस करेगा। अभिनेत्री ने फिल्म के कलाकार यामी गौतम और इमरान हाश्मी के अभिनय की तारीफ करते हुए लिखा, यामी गौतम, आपने क्या शानदार एक्टिंग की है। आपने फिर से साबित कर दिया कि सच्चा टैलेंट और मेहनत कहीं भी चमक सकती है। हम सब आप पर बहुत गर्व करते हैं और इमरान हाशमी! आपके लिए तो मेरे पास शब्द ही कम पड़ जाते हैं। आपने फिर से साबित किया कि आपकी रोशनी किसी भी हाल में कम नहीं हो सकती। आपकी पावर, कला और स्क्रीन पर मौजूदगी अद्भुत हैसच में शानदार। सुपर्ण एस वर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यामी गौतम और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं।

राष्ट्र गौरव के लिए हिंदू समाज को संगठित करना ही संघ का लक्ष्य : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि आरएसएस का लक्ष्य हिंदू समाज को सत्ता के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव के लिए संगठित करना है और हिंदू भारत के लिए ''जिम्मेदार'' हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कोई अहिंदू नहीं है, क्योंकि सभी एक ही पूर्वजों के वंशज हैं और देश की मूल संस्कृति हिंदू है। भागवत ने यह टिप्पणी यहां 'संघ की 100 वर्ष की यात्रा: नए क्षितिज' विषय पर व्याख्यान देते हुए की। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले और विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित थे।

भागवत ने कहा, जब संघ के रूप में एक संगठित शक्ति खड़ी होती है, तो उसे सत्ता की चाह नहीं होती। वह समाज में प्रमुखता नहीं चाहता। वह बस भारत माता की महिमा के लिए समाज की सेवा और संगठित करना चाहता है। हमारे देश में, लोगों को इस पर विश्वास करना बहुत मुश्किल लगता था, लेकिन अब वे विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि जब यह प्रश्न उठाया जाता है कि आरएसएस हिंदू समाज पर क्यों ध्यान केंद्रित करता है, तो इसका उत्तर यह है कि हिंदू ही भारत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि अंग्रेजों ने हमें राष्ट्रीयता दी; हम एक प्राचीन राष्ट्र हैं। दुनिया में हर जगह लोग इस बात पर सहमत हैं कि हर राष्ट्र की अपनी मूल संस्कृति होती है। वहां कई निवासी होती हैं, लेकिन एक मूल संस्कृति होती है। भारत की मूल संस्कृति क्या है? हम जो भी वर्णन करते हैं, वह हमें हिंदू शब्द की ओर ले जाता है।

भागवत ने कहा कि भारत में वास्तव में कोई अहिंदू नहीं है, और सभी मुसलमान और ईसाई एक ही पूर्वजों के वंशज हैं। उन्होंने कहा, शायद उन्हें यह बात पता नहीं है, या उन्होंने यह बात भुला दी है। उन्होंने कहा, जानबूझकर या अनजाने में, हर कोई भारतीय संस्कृति का पालन करता है, इसलिए कोई भी अहिंदू नहीं है, और प्रत्येक हिंदू को यह समझना चाहिए कि वह हिंदू है, क्योंकि हिंदू होने का मतलब भारत के लिए जिम्मेदार होना है। उन्होंने कहा, सनातन धर्म हिंदू राष्ट्र है और सनातन धर्म की प्रगति भारत की प्रगति है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के लिए रास्ता आसान नहीं रहा है और संगठन को लगभग 60-70 वर्षों तक कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिसमें दो प्रतिबंध और स्वयंसेवकों पर हिंसक हमले शामिल हैं।

उन्होंने कहा, दो बार प्रतिबंध लगाया गया। तीसरी बार भी लगा, लेकिन वह कोई खास प्रतिबंध नहीं था। विरोध हुआ, आलोचना हुई। स्वयंसेवकों की हत्या की गई। हर तरह से कोशिश की गई कि हम फलने-फूलने न पाएं। लेकिन स्वयंसेवक अपना सब कुछ संघ को देते हैं और बदले में कुछ नहीं चाहते। इसी आधार पर हमने इन सभी परिस्थितियों पर काबू पाया और अब ऐसी स्थिति में हैं कि समाज में हमारी कुछ विश्वसनीयता है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में, आरएसएस अपने कार्य को हर गांव और समाज के हर तबके, सभी जातियों और वर्गों तक पहुंचाना चाहता है।

धार्मिक प्रवृति की महिला थीं मैनाबाई मुथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष स्व. मोहनलालजी मुथा की धर्मपत्नी मैनाबाई मुथा का 7 नवम्बर को संथारा पूर्वक देवलोकगमन हो गया। 85 वर्ष की स्व. मैनाबाई को साध्वी स्वागतश्रीजी ने संथारा के प्रत्याख्यान कराए थे। बगड़ी नगर के मूल निवासी सरलमना मैनाबाई मुथा एक धार्मिक प्रवृति की महिला थीं। उनका व्यवहार मधुर व मिलनसार था। उन्होंने अनेक मासक्षमण सहित तपस्याएं की थीं। संतों के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा थी और हमेशा संतों की सेवा में व्यस्त रहती थी। वे हमेशा सुपात्र दान देने में आगे रहती थीं। उनके हृदय में साधर्मिक परिवारों के प्रति अत्यंत वात्सल्य भाव था। गौसेवा व जरूरतमंदों की सेवा में मैनाबाई हमेशा तत्पर रहती थीं। उनके ज्येष्ठ पुत्र महावीरचंद मुथा वर्तमान में वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के चेयरमैन हैं। छोटे पुत्र राजेशकुमार मुथा भी जैन कॉन्फ्रेंस के कर्नाटक प्रदेश के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे अपने पीछे बेटे, बेटियों व पोते पोतियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्राविकाओं को हमेशा जागरूक रहना चाहिए : पुलकित कुमार

तेरापंथ महिला मंडल ने आयोजित की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के पदाधिकारियों ने जयनगर स्थित एक श्रद्धालु के निवास पर मुनि पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में संगठन यात्रा की। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत किया। डॉ मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि संगठन यात्रा का उद्देश्य है कि जो सदस्य बने हुए हैं उनकी सार सँभाल करना तथा उनके मन की बात को समझना। महिला मंडल की संगठन यात्रा की सराहना करते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को धर्मसंघ से जुड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में अनेक तकनीकी साधनों से महिला मंडल के कार्यक्रम से जुड़कर महिलाएं निर्जरा का लाभ ले सकती हैं। आचार्यश्री तुलसी ने हम पर अनेक उपकार किए उन उपकरों को हम अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। श्राविकाओं को हमेशा जागरूक रहना चाहिए। संगठन को मज़बूत करना सबका दायित्व होता है। भावी पीढ़ी के लिए एवं सभी को एकजुट करने के लिए संगठन यात्रा का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

मंत्री विजेता रायसोनी ने ग़तिविधियों की जानकारी देते हुए सभी सदस्याओं से अधिक से अधिक कन्याओं को मंडल से जोड़ने की बात कही। उपाध्यक्ष लता गादिया ने तत्व ज्ञान और तत्व विज्ञ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहमंत्री वीणा पोरवाल ने धन्यवाद दिया। संगठन यात्रा कार्यक्रम में 8 पदाधिकारी एवं लगभग 25 सदस्याएं उपस्थित थीं।

बिलावास श्रीकृष्ण भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका लिखी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गौशाला सेवा समिति बिलावास द्वारा बिलावास गौशाला में 25 नवम्बर से श्रीकृष्ण भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसके संबंध में आमंत्रण पत्रिका लेखन का कार्य सीरवी समाज बडेर बलेपेट में हुआ। सबसे पहले बडेर में विनायक जी महाराज एवं आई माता जी को विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ पत्रिका लिखकर अर्पण की गई। संघ के अध्यक्ष इन्दरचन्द बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़, राजस्थान के पशुपालन मंत्री जोराराम, सोजत सिटी की विधायक शोभा चौहान अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समिति के छेलाराम काग ने प्रतिष्ठा में सहयोग का आह्वान किया। अमराराम चोयल ने प्रतिष्ठा महोत्सव में होने वाले आय व्यय की जानकारी दी। सचिव नरेंद्र आच्छा ने बताया कि इस प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी आखिरी चरण में है। सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

धर्मात्मा वही जिसके जीवन में राग द्वेष की भावना न हो : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के ताना स्ट्रीट स्थित जैन स्थानक में विराजित समकितमुनिजी म.सा.ने अपने प्रवचन मे बताया कि अक्सर लोग क्रोधि को देखकर क्रोध करते हैं, रागी को देखकर राग का जन्म होता है और द्वेषी को देखकर द्वेष की भावना आ जाती है। यह सामान्य व्यवहार है, लेकिन आगम कहते हैं कि दुर्जन, अधर्मी और पापी पर भी क्रोध नहीं करना चाहिए। फिर भी व्यवहार में लोग पापियों पर गुस्सा कर बैठते हैं। उन्होंने कहा कि यदि धर्मात्मा को देखकर भी क्रोध आने लगे, तो यह बहुत ही गिरी हुई स्थिति होती है।

मुनिश्री ने बताया जब कोई धर्मात्मा को देखकर द्वेष करने लगे। मुनिश्री ने कहा, धर्मात्मा को देखकर जीवन में कभी द्वेष मत करना और न ही किसी को द्वेष करना सिखाना। उन्होंने आगे कहा कि बुरे कार्यों के लिए तो समाज सज़ा देता ही है, लेकिन यदि अच्छे कार्यों के लिए भी सज़ा मिलने लगे तो समझना चाहिए कि स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने समाज और परिवार के लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई धर्म, दान और पुण्य करना चाहता है तो उसे कभी न रोकें। मुनिश्री ने समझाया कि धर्म उतना ही करना चाहिए, जितना अपने नियंत्रण में हो और जिससे राग-द्वेष न बढ़े। धर्मात्मा वही कहलाता है जिसके जीवन में राग-द्वेष कम हो, न कि केवल धर्म के बाहरी दिखावे अधिक हों। उन्होंने कहा कि समस्या का हल ऐसा निकालना चाहिए जिसमें कम से कम हिंसा हो और किसी का नुकसान न हो।

मुनिश्री ने बताया - यह मानव जीवन शुभ कर्मों का शुभारंभ करने के लिए मिला है। उन्होंने चेताया कि समस्याओं को हल करने के लिए हिंसा और छल का सहारा नहीं लेना चाहिए। लोग दूसरों को धोखा दे सकते हैं, लेकिन कर्मों को धोखा देना असंभव है। इसलिए यदि कभी गलत कार्य करने जा रहे हों, तो पहले मन से पूछ लेना चाहिए कि यह सही है या गलत। मन गलत काम को कभी सही ठहराता नहीं।

मुनिश्री दान का महत्व के बारे मे बताते हुए कहा कि जो प्रचार किए बगैर दान करता है उसको कई गुना पुण्य का उपार्जन करता है। यदि सही जगह पहुँचना है तो सही कार्य करते रहो। गलत कार्य से कभी सही परिणाम नहीं मिल सकता। आजकी धर्म सभा मे आस पास के क्षेत्रों से अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। यह सूचना पुरुषवाक्कम संघ के पूर्व अध्यक्ष विनयचंद पावेचा ने दी।

कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षण वेदिके द्वारा मारुति नगर में 70वां कर्नाटक राज्योत्सव हर्षोल्लास एवं सेवा के साथ मनाया गया। वेदिके के प्रदेश अध्यक्ष शिवरामे गौड़ा, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, प्रभाकर एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने मां भुवनेश्वरी देवी की पूजा आरती कर ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों को शिक्षण सामग्री तथा महिलाओं को साड़ियां दी गई। जरूरतमंद लोगों को अन्नदान तथा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हुए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

गांधीनगर तुरकिया भवन में आयोजित होगा चातुर्मास विदाई व सम्मान कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में डॉ. वरुणमुनिजी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन चातुर्मास का समापन होता है। इसके पश्चात् संतजन अपनी विहार यात्रा प्रारम्भ कर जनमानस के बीच धर्म का प्रकाश फैलाते हैं। चातुर्मास आत्म साधना, संयम और समाज जागरण की अमूल्य साधना है। चार महीनों तक चले इस चातुर्मास के दौरान पूज्य गुरु भगवंतों ने धर्म, ध्यान और त्याग के संदेशों से समाज को आलोकित किया है। संघ के प्रमुख राजेश मेहता ने कहा कि चार माह तक संतों के प्रवचन से बेंगलूरु की भूमि पुण्य ऊर्जा से स्पंदित रही। गुजराती जैन संघ में चातुर्मास करने आए उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, डॉ वरुणमुनिजी व रूपेशमुनिजी का रविवार को चातुर्मास विदाई एवं कृतज्ञता समर्पण समारोह का आयोजन गांधीनगर में होगा। इस मौके पर विशिष्ट सेवाकार्यों में योगदान देने वाले, दीर्घ तपस्वी और अन्य लोगों का सम्मान किया जाएगा। रूपेश मुनिजी 'रजत' ने बताया कि रविवार को त्रिवेणी संगम के रूप में धर्मप्राण वीर लोकाशाह जी, जैन दिवाकर गुरु श्री चौथमल जी एवं गुरु गणेशलाल जी, तीनों महापुरुषों की जयंती के उपलक्ष्य में गुणानुवाद एवं सामायिक दिवस का आयोजन भी होगा। गुरु भगवंतों का आगामी विहार 11 नवम्बर को दोपहर 3 बजे गाँधीनगर से होगा।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 45 मरीज हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबालापुर। शहर के महावीर जैन संघ एवं प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न हुआ। एसएस जैन भवन में 45 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर चयनीत किए गए 27 मरीजों को शल्य चिकित्सा के लिए चिकबालापुर के जैन मिशन अस्पताल भेजा गया जहां डॉ नरपत सोलंकी ने ऑपरेशन किए। समाजसेवी बाबूलाल रांका की ओर से मरीजों को कम्बल वितरित किए गए। अस्पताल के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

सौवीं वर्धमान ओली पारणोत्सव में भाव-विभोर वातावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में शनिवार को सिल्वन लॉज कॉलोनी स्थित भुवनभानु संयम तपोवाटिका में पंन्यास पुण्यविजयजी एवं साध्वी त्यागनिधिजी की सौवीं वर्धमान तप ओली का पारणोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। दोनों सांसारिक रूप से भाई-बहन हैं और दोनों ने एक साथ वीतराग चिंतन से प्रेरित होकर संयम-पथ स्वीकार किया। आज उन्होंने पुनः सिद्ध कर दिया कि जब लक्ष्य मोक्ष हो, तो रिश्ते भी साधना बन जाते हैं। पारणोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर जिनशासन के प्रति अपनी गहन आस्था प्रकट की।

आचार्यश्री कुलबोधि सूरिश्वरजी म.सा. ने दोनों साधकों के तप की अनुमोदना करते हुए कहा कि गुरु के हृदय में शिष्य का स्थान यह सिद्ध करता है कि शिष्य किस स्तर की साधना में प्रवाहित है। जब आचार्य कहते हैं कि यह मेरे हृदय में उतरा है तो वही भाव महावीर और गौतम की गुरु-शिष्य परंपरा में प्रकट होता है। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. ने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पंन्यास पुण्यविजयजी पहले पतंगों की डोर संभालने में निपुण थे और आज प्रवचन की डोर को सहजता, सटीकता और प्रसंग-वस्तु की पैनी दृष्टि से संभालते हैं। उनमें सेवा, समर्पण और संयम की जड़ें गहरी हैं। उन्होंने कहा कि साध्वी त्यागनिधिजी ने अपने नाम को साधना द्वारा चरितार्थ किया है। मुझे उन पर गर्व है। आचार्यश्री युगोदयप्रभ विजयजी ने कहा कि पंन्यासजी और साध्वीजी के जीवन में सद्गुणों के फूल अनवरत खिल रहे हैं। पंन्यास धैर्यसुंदर विजयजी ने पंन्यासजी को तपो-वैयावच्च का ऑलराउंडर बताया।पंन्यास निर्मोहसुंदर विजयजी ने कहा कि जो विषय-वस्तु में निर्लेप रहता है, वही मोक्षमार्ग का अधिकारी है। उन्होंने तमिल भाषा में अपनी बात पूरी कर श्रोताओं को भाव-विभोर किया।

पंन्यास ज्ञानबोधि विजयजी ने कहा कि इस भाई-बहन की जोड़ी ने इतिहास निर्मित किया है। प्रेम भुवनभानु समुदाय में सबसे कम आयु में 100वीं और 101वीं ओली पूर्ण करना एक उल्लेखनीय अध्यात्मिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पंन्यासजी के भीतर समत्व, स्वाध्याय-सेवा और निर्दोष चर्या के गुण स्थिर रूप से विद्यमान हैं। मुनि योगप्रिय विजयजी ने कहा कि आत्मा को निर्मल बनाने का मार्ग त्याग से होकर गुजरता है। मुनि ज्ञानबोधि विजयजी ने कहा कि समर्पण की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए व्यवहारिक दृष्टि आवश्यक है। मुनि वीरसुंदर विजयजी ने पंन्यासजी के जीवन को एक खुली प्रेरणादायी पुस्तक बताया। मुनि दीनदयाल म.सा. ने पंन्यासजी के जीवन को चारित्र, समर्पण और तप का संगम बताया।

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेपीपी महिला फाउंडेशन अलसूर ने समाज सेवा के अंतर्गत शनिवार को ऑटो राजा आश्रम एवं ह्यूमैनिटी होम्स में कपड़े व भोजन की सहायता की। फाउंडेशन की सदस्याओं ने दीपावली पर पहनने योग्य कपड़े एकत्रित किए थे। सदस्याओं ने आश्रमों में निवास कर रहे 900 जनों के साथ कुछ समय बिताया व नवकार मंत्र का जाप किया। फाउंडेशन की सदस्याओं ने उनके लिए एक वक्त के भोजन का भी सहयोग दिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com